

दवाएं सस्ती हों, ग्रामीणों तक पहुंचे इलाज, नकली दवाओं पर लगे रोक - राज्यपाल डेका

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सस्ता इलाज, किफायती दवाएं और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना देश की प्रमुख चुनौतियां हैं। इनके समाधान के लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। स्वास्थ्य और शिक्षा को केवल कारोबार नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने नकली दवाओं पर रोक लगाने, भारतीय परंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक शोध करने और छत्तीसगढ़ की वनौषधियों के पारंपरिक ज्ञान को सामने लाने पर जोर दिया।



अधिवेशन एपिकॉन-2026 को संबोधित कर रहे थे। अधिवेशन का विषय 'फार्मा शिक्षक आत्मनिर्भर भारत के लिए फार्मासिस्ट तैयार करने का संकल्प' था।

राज्यपाल ने कहा कि देश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण आबादी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना अब भी चुनौती है। दवाओं की कीमत आम

आदमी की पहुंच में होनी चाहिए। चिकित्सकों को दवाएं लिखते समय मरीज की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखना चाहिए और जहां संभव हो, कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए।

उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि चिकित्सकों और फार्मासिस्टों को गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करना होगा। गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका



तथ्यों के साथ मजबूती से पक्ष रखने और सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया।

बाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से मीडिया के माध्यम से जनता के बीच ले जाना हम सबकी जिम्मेदारी है। विपक्ष के दुष्प्रचार का तथ्यपरक जवाब देना भी मीडिया विभाग की अहम भूमिका है।

कांग्रेस और विपक्ष कर रहे हैं वोट चोरी का झूठा नैरेटिव गढ़ने की कोशिश : संतोष पाण्डेय

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया है कि विपक्षी दल निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने और जनता को भ्रमित करने का निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष अब निर्वाचन आयोग और चुनाव प्रणाली पर बेबुनियाद सवाल खड़े कर रहा है। पाण्डेय शनिवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।



1952 के चुनाव में कांग्रेस ने कम्युनिस्टों के साथ मिलकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को हारने की साजिश रची थी।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी से कांग्रेस का पुराना इतिहास खंगालते हुए बताया कि 1952 के चुनाव में कांग्रेस

ने कम्युनिस्टों के साथ मिलकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को हारने की साजिश रची थी। 1957 में बिहार के बेगूसराय में देश के पहले बूथ पर कांग्रेस समर्थकों द्वारा कब्जा करने की घटना हुई थी। 1967 में जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने प्रतिद्वंद्वियों को चुनाव से रोककर निर्विरोध 61

नवा रायपुर और दुर्ग में शुरू होंगे आवास रथ

इच्छुक खरीदारों को कराया जाएगा उपलब्ध संपत्तियों का प्रत्यक्ष अवलोकन

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों को किफायती दरों पर आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां उपलब्ध करने तथा वर्षों से रिक्त पड़ी संपत्तियों के बेहतर उपयोग की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 (OTS-2) महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना के अंतर्गत अब तक 62.5 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय किया जा



चुका है। योजना के माध्यम से कुल 251.71 करोड़ रुपये मूल्य की 1,659 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों का विक्रय हुआ है।

OTS-2 योजना के अंतर्गत कुल 2,656 संपत्तियों को विक्रय के लिए शामिल किया गया था। इनमें से अब केवल 997

मिल रहा वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 की उपलब्धि पूर्व में संचालित OTS योजना की तुलना में उल्लेखनीय रही है। सितंबर 2021 से मार्च 2024 तक संचालित पूर्ववर्ती वन टाइम सेटलमेंट योजना के अंतर्गत लगभग 511 करोड़ रुपये मूल्य की 2,591 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों को शामिल किया गया था। इस अवधि में कुल 88.28 करोड़ रुपये मूल्य की 506 पड़ी संपत्तियों का उपयोग सुनिश्चित हो रहा है, वहीं आम नागरिकों को रियायती दरों पर अपना घर एवं व्यावसायिक परिसर प्राप्त करने का अवसर भी

भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी व सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू का आज से छत्तीसगढ़ प्रवास

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी और राष्ट्रीय मंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश सह-प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू 25 अक्टूबर को दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे। अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान इरानी व शम्भू भाजपा के पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों, पूर्व व वर्तमान सांसदों-विधायकों सहित निगम, आयोग व मण्डलों के अध्यक्ष व उपाध्यक्षों से संवाद स्थापित करेंगे।



भाजपा प्रदेश प्रभारी इरानी व सह प्रभारी शम्भू राजधानी रायपुर पहुंचने के बाद 25 अक्टूबर (रविवार - प्रथम दिवस) को पूर्वाह्न 11:00 बजे से 11:30 बजे तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण करेंगे। इसके पश्चात पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री (संगठन) एवं प्रदेश महामंत्रियों के साथ संगठनात्मक बैठक आयोजित होगी। दोपहर

छत्तीसगढ़ में शराब के बढ़ते सेवन से मानव हड्डियों पर खतरा, सरकार की आबकारी नीति पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के राज में पहले शराब के ओवर रेट और नकली हॉलमार्क को लेकर लगातार शिकायतें आईं और पुलिसिया कार्रवाई भी हुई लेकिन अब हद हो गई जब नकली शराब से मानव जीवन से खिलवाड़ करने की बातें सामने आ रही है शराब बनाने में ऐसे पदार्थ का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे शराब सेवन करने वालों के शारीरिक स्थिति बत से बतर होने वाली है सीधे-सीधे उनके रीढ़ की हड्डी में फर्क पड़ने वाला है। शराब के बढ़ते सेवन और उससे होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसान को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए विकास उपाध्याय ने कहा कि शराब का अत्यधिक सेवन केवल



परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से बर्बाद नहीं करता, बल्कि शरीर की हड्डियों को भी कमजोर कर सकता है। वरिष्ठ चिकित्सकों के कथनानुसार लंबे समय तक अधिक शराब पीने से हड्डियों का घनत्व कम होता है एवं ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार को केवल शराब से मिलने वाले राजस्व

की चिंता करने के बजाय आम जनता के स्वास्थ्य की भी चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'सरकार का काम जनता को स्वस्थ रखना है, न कि शराब की कमाई के आगे लोगों की सेहत को नजरअंदाज करना।' यदि शराब के दुष्परिणामों से परेशान उठ रहे हैं और लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, तो सरकार को अपनी आबकारी नीति की समीक्षा करनी चाहिए। शराब की उपलब्धता और बिक्री से होने वाली कमाई का हिसाब देने वाली सरकार को यह भी बताना चाहिए कि शराब से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान को रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। विकास उपाध्याय ने कहा कि शराब के अत्यधिक सेवन से शरीर में कैल्शियम और विटामिन-डी के संतुलन, हड्डियों के निर्माण तथा गिरने से

चोट लगने के जोखिम पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कमर और रीढ़ की हड्डी में दर्द या कमजोरी को नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है। हालांकि, कमर की हड्डी को हर बीमारी शराब के कारण नहीं होती; इसके लिए चिकित्सकीय जांच आवश्यक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि शराब के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, नशामुक्ति सेवाओं को मजबूत किया जाए तथा शराब की लत से जूझ रहे लोगों को उचित उपचार उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की सेहत की कीमत पर राजस्व कमाने की सोच स्वीकार्य नहीं है। सरकार को शराब के दुष्परिणामों पर गंभीरता से काम करना होगा, अन्यथा जनता के स्वास्थ्य से जुड़े इन सवालों का जवाब देना पड़ेगा।

जनहित के मुद्दों पर सड़क की लड़ाई लड़ने तैयार है जेसीसीजे 2.0 - अमित

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चौध के अगुवाई में पार्टी की संगठनात्मक पुनर्गठन, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों एवं जनहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर आज जोगी निवास, सिविल लाइन, रायपुर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें चिंतन मनन और आत्ममंथन हुआ। दोपहर 12 से लेकर संध्या 5 बजे तक चली लगातार 5 घंटे की मैराथन बैठक में अनेक प्रस्ताव पारित हुए। प्रमुख रूप से अब जनहित के मुद्दों पर JCCJ सड़क पर उतरकर लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पार्टी के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया और संगठन को पुनर्जीवित कर पुनः मजबूत एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया।

शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : सीएम साय

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत गढ़फुलझर में बाबा बिशाहसे कुल कोलता समाज द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सर्वमंगल भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने समाज की मांग पर मंदिर परिसर में 50 लाख रुपये की लागत से भव्य डोम निर्माण की घोषणा भी की।



मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2024 में गढ़फुलझर के विकास के लिए किए गए वादे अब धरातल पर साकार हो रहे हैं। सर्वमंगल भवन का निर्माण पूरा होने से सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही 48 लाख रुपये की लागत से मानसरोवर तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में

गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि गढ़फुलझर में विकास का बदलाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है और आने वाले समय में क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को और गति दी जाएगी।

कोलता समाज ने शिक्षा, कृषि और सामाजिक क्षेत्र में बनाई विशिष्ट पहचान

बनाई है। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और आपसी सहयोग को मजबूत करने में कोलता समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपनी प्रगतिशील सोच और सामाजिक चेतना के कारण यह समाज दूसरे समाजों के लिए भी प्रेरणा और मार्गदर्शन का कार्य कर रहा है।

मोदी की गारंटी के संकल्पों को तेजी से पूरा कर रही राज्य सरकार

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के मवनों को मंजूरी

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को मजबूत आधारभूत सुविधाओं के साथ जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से प्रदेश के छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवन निर्माण को स्वीकृति मिली है। राज्य शासन ने इन भवनों के लिए कुल 2 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रथम किस्त के रूप में 67 लाख 72 हजार 500 रुपये जारी करने की सहमति भी दी गई है।



नए भवन सूरजपुर जिले के भैयाधान और ओडगौ, रायगढ़ जिले के तमनार तथा बीजापुर जिले के बीजापुर, उसूर और भोपालपटनम में बनाए जाएंगे। प्रत्येक भवन के निर्माण के लिए 45 लाख 15 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बच्चों के विकास, स्वास्थ्य, पोषण तथा उनके अधिकारों और हितों के संरक्षण से जुड़ी अनेक योजनाओं और सेवाओं का संचालन करता है। परियोजना-सह-संसाधन केंद्र इन योजनाओं के मैदानी समन्वय और सेवाओं की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विधायक रोहित साहू ने ली अधिकारियों की बैठक, क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश



विश्व केसरी■
राजिम (शेखर मिश्रा)। राजिम विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करने हेतु विधायक रोहित साहू ने राजिम विश्राम गृह में आवश्यक बैठक ली। इस बैठक में राजस्व विभाग,लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, विद्युत विभाग, वन विभाग और सेतु निर्माण सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में नगर पालिका राजिम के अध्यक्ष महेश यादव भी विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों

विधायक रोहित साहू ने कहा कि हमारा एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राजिम विधानसभा क्षेत्र के हर कोने तक पक्की, मजबूत और अच्छी सड़कें पहुंचें। सड़क विकास की पहली सीढ़ी होती है, और जब सड़कें बेहतर होती हैं, तो व्यापार, स्वास्थ्य और शिक्षा समेत हर क्षेत्र में तरक्की के रास्ते खुलते हैं। मैंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आपसी समन्वय बनाकर काम करें ताकि वन विभाग, विद्युत विभाग या अन्य किसी भी तकनीकी अड़चन के कारण हमारे विकास कार्य न रुकें। काम पूरी पारदर्शिता, उच्च गुणवत्ता और तय समयसीमा के भीतर होना चाहिए, ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके और राजिम विधानसभा प्रगति के पथ पर लगातार आगे बढ़े।



शासन की योजनाएं एवं नीतियां तैयार करने में जनगणना की महत्वपूर्ण भूमिका : दुग्गा अम्बिकापुर। डिजिटल जनगणन 2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना कार्य) का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आज शनिवार को कलेक्टरेट सभाकक्ष अम्बिकापुर में संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। जिसमें जिले भर से आए चार्ज अधिकारी (तहसीलदार, सीएमओ) उपस्थित थे। इस दौरान संभागायुक्त दुग्गा ने कहा कि द्वितीय चरण की जनगणना में सावधानी पूर्वक प्रविष्टि दर्ज की जाए, ताकि जनगणना कार्य में कोई व्यक्ति एवं घर छूट न जाए, उल्टा न कहा कि सरकारी योजनाएं एवं नीतियां तैयार करने में जनगणना के आंकड़े महत्वपूर्ण होते हैं। अतः सभी चार्ज अधिकारी संवेदनशील होकर कार्य करें और उन्हें जनगणना निर्देशों की पूरी जानकारी हो।

एसएसपी भोजराम पटेल ने ली पुलिस अधिकारियों एवं थाना-चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक

विश्व केसरी■
मुंगेरी (रवि शुक्ला)।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल द्वारा जिला मुंगेरी के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों एवं थाना-चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा लंबित मामलों के शीघ्र



निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लंबित समन एवं वारंट की तामीली सुनिश्चित करने, निगरानी एवं गुंडा-बदमाशों की नियमित जांच करने तथा आपराधिक गतिविधियों में सलिस व्यक्तियों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। आवश्यकता के अनुसार जिला बदर की कार्यवाही करने तथा अधिक से

सीएमएचओ डॉ. विजय कुमार सिंह ने किया स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं संस्थागत व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार 23 अक्टूबर को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का सायंकालीन औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरियों की तलाश को प्राथमिकता देने तथा महिला एवं बच्चों से संबंधित शिकायतों में नियमानुसार तत्काल एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं संस्थागत व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार 23 अक्टूबर को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का सायंकालीन औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरियों की तलाश को प्राथमिकता देने तथा महिला एवं बच्चों से संबंधित शिकायतों में नियमानुसार तत्काल एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा अधिकारी-कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में पदस्थ समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने निर्धारित मुख्यालय में

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थाएं आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे में स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकीय एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना सभी अधिकारी-कर्मचारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों को समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य संस्थाओं में बेहतर कार्य वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया। औचक निरीक्षण के दौरान जो अधिकारी/कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, उनके संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

जिले की सभी सहकारी समितियों में ‘कृषक उन्नति योजना’ के लिए पंजीयन जारी

विश्व केसरी■
अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी ‘कृषक उन्नति योजना’ का लाभ जिले के प्रत्येक किसान तक पहुंचाने के लिए वर्तमान में जिले की सभी सहकारी समितियों (सोसाइटी) में किसानों के पंजीयन का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। शासन की इस योजना का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधीकरण को बढ़ावा देकर किसानों को आर्थिक रूप से अधिक सुदृढ़ बनाना है। योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का एक उत्कृष्ट उदाहरण दरिमा



तहसील के ग्राम लिबरा निवासी युवा किसान अभिषेक सिंह ने प्रस्तुत किया है। अभिषेक सिंह, जिनके पिता का नाम मदन सिंह है, पूर्व में अपनी कृषि भूमि पर मुख्य रूप से धान की खेती किया करते थे। परंतु शासन की योजनाओं से प्रेरित होकर इस वर्ष उन्होंने नवाचार किया है और अपनी लगभग आधा एकड़ जमीन में धान के

स्थान पर अदरक की फसल लगाई है। किसान अभिषेक सिंह का स्पष्ट मानना है कि धान की तुलना में अदरक की खेती से उन्हें ज्यादा पैदावार और कहीं अधिक आर्थिक फायदा प्राप्त होगा। हालांकि, उनका कहना है कि इस फसल से होने वाले वास्तविक मुनाफे का सटीक पता बाजार में फसल बिकने के बाद ही चल सकेगा।

धान खरीदी प्रक्रिया में सभी जुट जाएं और बेहतर तैयारी करें : कलेक्टर

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोरे)। खरीफ सीजन 2026-27 मे समर्थन मूल्य मे पारदर्शी व सुव्यवस्थित ढंग से धान खरीदी हेतु शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं धान खरीदी से जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को शासन की अति महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए संवेदनशीलता एवं गंभीरतापूर्वक दायित्व निर्वहन के निर्देश दिये। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि इस

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोरे)। खरीफ सीजन 2026-27 मे समर्थन मूल्य मे पारदर्शी व सुव्यवस्थित ढंग से धान खरीदी हेतु शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं धान खरीदी से जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को शासन की अति महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए संवेदनशीलता एवं गंभीरतापूर्वक दायित्व निर्वहन के निर्देश दिये। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि इस



वर्ष 16 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ होना प्रस्तावित है और लगभग 20 दिनों शेष है। धान खरीदी से जुड़े सभी अधिकारी – कर्मचारी तैयारी में जुट जाएं ताकि बेहतर खरीदी हो सके। उन्होंने कहा कि उपाजर्जन केन्द्र में व्यवस्थाओं एवं नियमों के पालन के लिये शासन

द्वारा चेक लिस्ट जारी किया गया है। इस चेक लिस्ट के अनुसार सभी केंद्रों मे व्यवस्थाएं दुरुस्त करें। आर्द्रतामापी यंत्र एवं इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों का कैलिब्रेशन कराएं,धान की नमी 14 से कम एवं 17 से अधिक नहीं होना चाहिए। सीसीटीवी कैमरा सक्रिय हो और वाहनों के आने और

मानकी बाई टंडन का निधन

राजिम। बकली निवासी मानकी बाई टंडन 65 वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया उनके। मानकी बाई टंडन का अंतिम संस्कार गांव के मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान उनके पति ईश्वर टंडन और पुत्र दीपक कुमार टंडन हसमन टंडन लक्ष्मण टंडन और के.जुराम गोल्ड किरण तरण धनेंद्र मोहित सालिक गौरव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं परिजन उपस्थित रहे।



राजस्व मंत्री वर्मा ने 70 लाख के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

चेक डेम व रोड निर्माण सहित 57 लाख के विकास कार्यों की घोषणा

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोरे)। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा शनिवार को विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पौंसरी, मगरवाय, बुडगहन,और पूरेना मे 70 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। इस दौरान ग्रामीणों की मांग पर लगभग 57 लाख रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों की घोषणा भी की। इसमें ग्राम पौंसरी मे 10 लाख रुपए के शेड निर्माण 5 लाख रुपए के बाउंड्रीवाल, ग्राम मगरवाय मे 10 लाख रुपए के शेड निर्माण,ग्राम बुडगहन मे 20 लाख रुपए के चेक डेम निर्माण और ग्राम पुरेना मे 7 लाख रुपये के अतिरिक्त क्रश एवं 5 लाख रुपए के रंगमंच निर्माण शामिल है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि इन गांव में लोकार्पण और भूमिपूजन दिखाता है कि गांव मे विकास हो रहा है। हमारी सरकार गरीबों की चिंता करने



वाली है,इसीलिए गांव के विकास मे जोर दे रही हैं।हमने मोदी की गारंटी के तहत महतारी वंदन योजना,3100 रुपए मे धान भ्रष्टाचार कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र

बनाने के संकल्पना को सब मिलकर पूरा करेंगे
इन विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण व भूमिपूजन- राजस्व मंत्री वर्मा ने इस दौरान ग्राम पौंसरी में सामुदायिक भवन लागत 6.50 लाख, रंगमंच लागत 5 लाख , ग्राम मगरवाय में सीसी रोड निर्माण लागत 10 लाख,ग्राम बुडगहन में बाढ़ आपदा भवन लागत 20 लाख, रंगमंच निर्माण लागत 5 लाख, ग्राम पूरेना में सीसी रोड निर्माण लागत 10 लाख का लोकार्पण एवं ग्राम मगरवाय के शायकीय प्राथमिक शाला में 2 अतिरिक्त कक्ष निर्माण लागत 10 लाख, किचन शेड निर्माण लागत 5 लाख, रंगमंच निर्माण लागत 3.50 लाख का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, जनपद सदस्य राजेश ध्रुव, रविशंकर वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

किसान नेता तेजराम विद्रोही की गिरफ्तारी की निंदा, कावेरी बीज कंपनी पर भुगतान न करने का आरोप

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। भारतीय किसान यूनियन (टिक्तेत) जिला इकाई ने किसान नेता तेजराम विद्रोही एवं महासमुंद जिला पंचायत सदस्य जुगनू जांगेश्वर चंद्राकर की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। जिला अध्यक्ष मदन लाल साहू, उपाध्यक्ष सोहन लाल साहू, महासचिव योगेन्द्र साहू, संगठन मंत्री रैली का आयोजन किया गया था, जिसका नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष तेजराय विद्रोही एवं जुगनू जांगेश्वर चंद्राकर कर रहे थे। आरोप है कि कॉर्पोरेट परस्त रवैया अपनाते हुए प्रशासन ने निजी बीज कंपनी को संरक्षण देते हुए दोनों किसान नेताओं को गिरफ्तार कर थाना खल्लारी ले गया, वहीं आंदोलनरत किसानों को भी आगे बढ़ने से रोका जा रहा है। इससे



नाराज किसान बेलसोंडा रेलवे फाटक, महासमुंद-रायपुर मार्ग पर सड़क में ही बैठकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन जिला गरियाबंद कमेट्री शांतिपूर्ण किसान आंदोलन का पूर्ण समर्थन करती है तथा प्रशासन एवं कावेरी बीज कंपनी की भूमिका की घोर निंदा करती है एवं मांग करती है कि किसान नेता तेजराम विद्रोही एवं जुगनू जांगेश्वर चंद्राकर को बिना शर्त तत्काल रिहा किया जाए तथा पीड़ित किसानों का बकाया भुगतान अविलंब कराया जाए।

कहानी



डॉ.महिमा श्रीवास्तव

रात के एक बजने वाले थे। सोमा ने गैस बंद की और दाल गरम करके केसरील में डाल दी। रसोई में अब हल्की-सी घी के तड़के की गंध फैल गई थी। उसने थकी आँखों से दीवार घड़ी की तरफ देखा।

टिक... टिक... टिक...

पूरा घर उस घड़ी की आवाज से भरा हुआ था। मोबाइल उठाकर उसने नीरज को फोन लगाया।

‘हाँ, बस निकल रहा हूँ,’ उधर से वही जाना-पहचाना जवाब आया।

सोमा ने कुछ पल चुप रहकर पूछा, ‘खाना खा लिया?’

‘अरे यार, पार्टी में हूँ। तुम सो जाओ ना।’ फोन कट गया।

सोमा ने मोबाइल मेज पर रख दिया। उसे याद नहीं था कि पिछले कितने वर्षों से उसकी रातें इसी एक वाक्य के साथ खत्म होती थीं ‘बस निकल रहा हूँ।’

उसने बेटे अंश को फोन लगाया।

‘माँ, मैं दोस्तों के साथ हूँ,’ उधर से हँसी-ठिठोली की आवाजें आ रही थीं।

‘कब तक आओगे?’

‘आप सो जाओ ना। चाबी है मेरे पास।’

सोमा ने धीरे से ‘ठीक है’ कहा और फोन रख दिया।

पूरा घर फिर शांत हो गया।

वह ड्राइंग रूम में आकर बैठ गई। सामने टीवी चल रहा था, लेकिन आवाज बंद थी। स्क्रीन पर लोग हँस रहे थे, नाच रहे थे, लेकिन कमरे में सिर्फ सन्नाटा था।

सोमा अक्सर सोचती थी कि ईसान की जिंदगी भी कितनी अजीब होती है। कभी वही घर छोटा लगने लगता है जिसमें लोग रहते हों, और कभी वही घर इतना बड़ा लगने लगता है कि आवाज तक खो जाए।

सुबह होते ही उसकी जिंदगी बिल्कुल दूसरी हो जाती थी।

सोमा शहर के एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में हिंदी पढ़ाती थी। स्कूल पहुँचते ही बच्चे उसे घेर लेते।

‘मैडम, मेरी कॉपी देखिए।’

‘मैडम, आज कविता सुनाइए।’

‘मैडम, कल वाली कहानी पूरी नहीं हुई थी।’

स्कूल में वह कभी अकेली नहीं होती थी।

उसकी हँसी पूरे स्टाफ रूम में सुनाई देती थी।

लेकिन घर लौटते ही जैसे कोई अदृश्य पर्दा गिर जाता।

कभी-कभी उसे अपना पुराना समय याद आता।

कॉलेज की लाइब्रेरी में पहली बार नीरज से मुलाकात हुई थी। नीरज कानून का छात्र था। तेज बोलता था, खूब हँसता था और हर बात पर बड़े-बड़े सपने दिखाता था।

एक दिन उसने मजाक में कहा था, ‘देखना, मैं इतना बड़ा वकील बनूँगा कि तुम्हें मिलने का समय लेना पड़ेगा।’

सोमा हँस पड़ी थी।

‘अच्छा? और अगर मैं समय ही न दूँ तो?’

‘तब मैं अदालत से आदेश ले आऊँगा।’

दोनों बहुत देर तक हँसते रहे थे।

उन्हीं हँसी-मजाक के दिनों में प्यार हुआ और फिर शादी।

शुरुआत के साल बहुत सुंदर थे। छोटे-से किराए के घर में दोनों मिलकर काम करते। कभी साथ खाना बनाते, कभी रात को छत पर बैठकर चाय पीते।

लेकिन धीरे-धीरे नीरज की दुनिया बदलने लगी।

वकालत में उसका नाम होने लगा। अब हर शाम किसी न किसी पार्टी, मीटिंग या दावत में गुजरती। उसके फोन लगातार बजते रहते।

शुरू में सोमा नाराज होती।

‘इतनी देर रात तक बाहर रहना जरूरी है क्या?’

नीरज हँसकर कहता, ‘अरे मैडम, यही तो नेटवर्किंग है।’

फिर वह उसकी बात मान जाती।

धीरे-धीरे शिकायतें कम हो गईं। इंतजार बढ़ता गया।

फिर अंश पैदा हुआ।

कुछ साल तक घर में रौनक रही। खिलौनों की आवाजें, स्कूल बैग, होमवर्क, कार्टून—सब कुछ।

लेकिन बच्चे बड़े होने में देर कहाँ लगाते हैं।

कॉलेज पहुँचते-पहुँचते अंश की अपनी दुनिया बन गई। अब उसकी शामें भी दोस्तों, कैफे और मोबाइल में बीतने लगीं।

सोमा फिर वहीं खड़ी रह गई—दरवाजे और

सच में है या सपना?’

मानसी ने हँसते हुए उसे गले लगा लिया। ‘इतने साल बाद मिल रही हूँ और तू अभी भी वैसी ही है।’

‘झूठी।’

‘सच।’

दोनों देर तक बातें करती रहीं। चाय बनी। फिर पकौड़े बने। पुरानी स्कूल की बातें निकलीं। कॉलेज के किस्से निकले।

फिर अचानक मानसी ने पूछा, ‘और बता, खुश है?’

सोमा कुछ पल चुप रही।

फिर बोली, ‘पता नहीं।’

उसके बाद जैसे उसके भीतर जमा हुआ सब कुछ बाहर आने लगा। उसने अपनी सारी बातें मानसी को बता दीं। रात का इंतजार। बार-बार फोन करना। अकेले खाना खाना। खाली घर।

मानसी चुपचाप सुनती रही।

फिर उसने अचानक पूछा, ‘एक बात बता।’

‘क्या?’

‘जब तेरे पति और बेटा घर पर होते हैं, तब कौन-सा तेरे साथ बैठकर अंताक्षरी खेलते हैं?’

सोमा हँस पड़ी।

‘सच बोलूँ?’ मानसी बोली। ‘तू अपनी जिंदगी गलत जगह ढूँढ़ रही है।’

‘मतलब?’

‘मतलब ये कि तू अकेली नहीं है। तू आजाद है।’

सोमा उसे देखती रह गई।

मानसी अब पूरे जोश में थी।

‘अरे, सोच। कोई रोकने वाला नहीं। चाहे रात को दो बजे तक फिल्म देख। चाहे पूरे घर में जोर-जोर से गाने गा। चाहे सिर्फ आइसक्रीम खाकर डिनर कर ले। तुझे किस बात की चिंता है?’

सोमा हँसते-हँसते बोली, ‘तू बिल्कुल नहीं बदली।’

‘और तू बेवजह बूढ़ी हो गई है।’

दोनों जोर से हँस पड़ीं।

उस रात कई साल बाद सोमा ने नीरज को फोन नहीं किया।

उसने अपने लिए मसाला चाय बनाई। टीवी पर अपनी पसंद की पुरानी फिल्म लगाई। फिर अचानक उठकर रंग और ब्रश निकाल लाई।

रात के साढ़े बारह बजे वह फर्श पर बैठी नीले रंग से आसमान बना रही थी।

उसे अचानक महसूस हुआ—घर उतना खाली नहीं है, जितना वह समझती थी।

धीरे-धीरे बहुत कुछ बदल गया।

अब शाम होते ही वह उदास नहीं होती थी।

कभी ऑनलाइन खाना मँगवा लेती। कभी बालकनी में बैठकर कहानी लिखती।

प्रतीक्षा



घड़ी के बीच.

हाँ, उसने खुद को व्यस्त रखने की बहुत कोशिश की।

उसे पेंटिंग बनाना पसंद था। वह घंटों रंगों के साथ बैठी रहती। कभी बारिश बनाती, कभी नदी, कभी कोई अकेली खिड़की।

उसे गाने सुनना पसंद था। पुराने फिल्मी गीत चलते रहते और वह धीमे-धीमे साथ गुनगुनाती रहती।

उसे लिखना भी अच्छा लगता था। कई डायरी भर चुकी थीं उसकी छोटी-छोटी कहानियों से।

लेकिन शाम के कुछ घंटे फिर भी भारी पड़ते।

एक शाम अचानक डोरबेल बजी।

दरवाजा खोला तो सामने मानसी खड़ी थी।

‘हे भगवान!’ सोमा खुशी से चिल्लाई। ‘तू

व्यंग्य

मुख्य अतिथि बनने की राह - बड़े धोखे हैं इन राहों में



डॉ मुकेश असीमित

बाकी दो दिन मुख्य अतिथि बनकर... तब तो समझिए इहलोक भी तर गया और शायद परलोक में भी आपकी ‘काबिलियत’ का वजन बढ़ जाए, और वहीं भी किसी देवसभा में मुख्य अतिथि की कुर्सी हाथिया लें।

लेकिन राह आसान नहीं है,यह आप भी जानते हैं। बड़ी ठन-ठन ,जाड-जुगाड, तप-तपस्या लगती हैं इसमें। ‘बड़े भाग मानुष तन पावा’,पर यह तन ‘माननीय’ तब बनता है जब आप किसी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हो जाएँ। अब शहर में संस्थाएँ कुकुरमुत्तों की तरह उग आई हैं, तो जाहिर है कि उनमें मुख्य अतिथि भी खपने हैं। पहले एक ही मुख्य अतिथि दिन के दो-चार कार्यक्रम निपटा देता था, लेकिन अब हर संस्था को अपना ‘एक्सक्लूसिव’ मुख्य अतिथि चाहिए। पुराने वाले इतने अनुभवही हो गए हैं कि बिना दान-दक्षिणा के कुर्सी पर कब्जा जमाना चाहते हैं,इसलिए नए चेहरों की तलाश जारी रहती है।

हमने भी इस कुर्सी की बड़ी लालसा पाल रखी है। कई बार संस्थाओं के पदाधिकारी हमें निमंत्रण देकर मुख्य अतिथि बनने का लाइव डेमो दिखाते हैं,मार्केटिंग गुरु की तरह। हमें आगे बिठाते हैं, कुर्सी के सबजाग दिखाते हैं। उनकी नजरें किसी एम् एल एम् एजेंट की तरह कहती हैं, ‘बस दो कदम दूर है कुर्सी महोदय... देख क्या रहे हैं? यह कुर्सी आपकी भी हो सकती है!’ आयोजकों की हड़बड़ाहट भी लिए हैं फीता काटने के लिए। उनका व्यव्हित देखकर लगता है कि वे पैदा ही कैंची पकड़कर हुए होंगे। कैंची उनके हाथ में ऐसी शोभा देती है जैसे अर्जुन के हाथ में गांडीव। वे हर बात पर मुस्कराते हैं,ऐसी मुस्कान की धार कि भींचें होठों के बीच से भी फूट ही पड़े।

मुख्य अतिथि की भी अपनी मजबूरियाँ होती हैं। उसे हर हाल में प्रश्रन दिखना पड़ता है। बच्चों ने बेसुरा स्वागत गीत गाया,मुख्य अतिथि प्रसन। माइक में धोखा दे दिया,फिर भी मुस्कराना पड़ेगा। माला में गंदे के फूलों के साथ दो चीँटियों भी गले को काट

लें,तो भी। सम्मान-पत्र में नाम गलत छप जाए,‘कुकरेजा’ की जगह ‘फुकरेजा’,तो भी। क्योंकि मुख्य अतिथि का दुख निजी होता है और उसकी मुस्कान सार्वजनिक।

दरअसल, मुख्य अतिथि बनना कठपुतली बनने का सभ्य संस्करण है। आयोजकों के इशारों पर नाचना पड़ता है, ‘अब दीप प्रज्वलित कीजिए... अब माल्यापर्ण स्वीकार कीजिए... अब दो शब्द कहिए...’ वाह जी! इक्कीस हजार के दान में इक्कीस हजार शब्द बोलने की भी इजाजत नहीं। आदमी अपने ही भाषण का श्राद्ध करके बैठ जाता है।

यह तो तय है कि मुख्य अतिथि बनने के लिए केवल विद्वान, समाजसेवी, साहित्यकार या वरिष्ठ होना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए सबसे पहले आयोजन समिति की कृपा चाहिए। समिति चाहे तो पत्थर को भी प्रेरणास्रोत घोषित कर दे, और न चाहे तो जीवित प्रतिभा को दर्शक दीर्घा की तीसरी पंक्ति में बिठाकर पानी की बोतल पकड़ा दे।

एक बार हमें ‘मुख्य अतिथि इन वेटिंग’ का निमंत्रण भी मिला। आयोजकों ने पूरी ढिंढाई से

मुख्य अतिथि इन वेटिंग



बताया कि काई छप चुके हैं, उसमें हमारा नाम नहीं है। एन वक्त पर मुख्य अतिथि की माँ का देहांत’ हो गया था,उन्हें इस निजी शोकसभा में जाना था, इसलिए असमर्थता जता दी। यह सारी बातें उन्होंने इतनी सहजता से सुनाई कि हमारी आँकात का पूरा बोध हो गया। लेकिन हम भी मुख्य अतिथि की लालसा में जीभ लपलपाए बैठे थे,सोचा, चलो इस बार मुख्य अतिथि पद की ‘उतरन’ ही सही। माला गर्दन तक आएगी, यही क्या कम है! भाषण की रूपरेखा मन में बनने लगी। पत्नी को भी हल्का-सा संकेत दे दिया, ‘शाम को प्रेस नोट में नाम आ सकता है।’

शायी का कोट निकलवाकर धुलवाया, प्रेस करवाया,वैसे मुख्य अतिथि की निर्धारित फॉर्मल ड्रेस हमने आखिरी बार पहनी थी।

कहते हैं,देयर आर मेनी स्लिपस बिटवीन कप्स एंड लिप्स ... अभी प्याला अधर तक आया ही था कि डर लगने लगा,कहीं ऐसा न हो कि स्थायी मुख्य अतिथि जी की माँ पुनर्जीवित हो जाए और उनका शोकसभा में जाना टल जाए।

पुस्तक समीक्षा

स्त्री-मन की यात्रा का अद्भुत आख्यान



पूजा जैन

स्वभाव है। माँस्को से पत्रकारिता की शिक्षा लेने के बाद वे निरंतर साहित्य

सृजन के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान, विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी मोडिया सम्मान से सम्मानित हैं। इनकी प्रकाशित पुस्तकें हैं,स्मृतियों में रूस, पांव के पंख, मन के प्रतिबिम्ब, देशी चश्मे से लंदन डायरी।

‘अस्मि’ उनका पहला उपन्यास है। अस्मि का अर्थ होता है, ‘हूँ’। अकसर कहा जाता है ‘अहम अस्मि’ यानी ‘मैं हूँ’। स्त्री के मन की गहराइयों में उतरना आसान नहीं है। स्त्री की कथा और व्याथा समझने में बड़ा कष्ट है। कष्ट इसलिए क्योंकि समाज का सुख इसी में है कि स्त्री गृहस्थी और परिवार के बंधन में बंध जाए और इसे ही वह गरिमामय और खुशहाल जीवन का आधार मान ले।

स्टेबिलिटी, स्थायित्व और पूर्णता के नाम पर हमेशा उन्हें भ्रमित किया गया है। इतना भ्रमित की वे स्वयं अपने मन की परतें खोलने, स्वेच्छा पूर्ण जीवन जीने और आनंदित होने से भयभीत होती हैं।

शिक्षा वार्ष्ण्य का उपन्यास स्त्री-अस्मिता और उस के मन की इन्ही परतों को सहजता से खोलता है। उपन्यास की मुख् पात्र एला, जो अपने ही नहीं आसपास के लोगों के जीवन में खूबसूरत रंग भरना चाहती थी। जिसके लिए आर्थिक सम्पन्नता जीवन का आनंद नहीं थी। वह स्टेबिलिटी के नाम पर अपना अस्तित्व खोती चली गयी। किसी से नहीं डरने वाली एला, सबकी दृष्टि में आदर्श दिखने वाले जीवन में इतनी कायर हो गयी कि उसकी स्वयं की दृष्टि ही खो गई। वह स्वयं अपने भीतर की अस्वीकार्यता के बाद भी वासना रहित प्रगाढ़ दोस्ती में बंधे स्त्री और पुरुष।

कृति : अस्मि (उपन्यास)

लेखिका : शिखा वार्ष्ण्येय

प्रकाशन : शिवना प्रकाशन,

सीहोर

क्रीमत : 250 रुपये



समझ सकेंगे कि वे अपने यौवन के दिनों में कैसी ऊर्जावान हुआ करती थी। बल्कि वे स्वयं भी आज जब आईने के सामने खड़ी होकर खुद को निहारने लगे, तो खुद ही अपनी वर्षों पुरानी छवि नहीं पहचान पाएंगी। क्या कभी किसी ने यह जानने की कोशिश की कि इस स्त्री को वह स्थायित्व चाहिए भी या नहीं। उपन्यास ऐसे ही कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है।

120 पन्नों के इस सुरुचिपूर्ण उपन्यास की प्रवाहमयी भाषा इतनी सहज है कि आप स्वयं पात्रों के साथ यात्रा करते चले जाएंगे। किसी भी उपन्यास की पठनीयता के लिए यह बेहद जरूरी है कि उसकी भाषा सहज,सरल बतियाती हुई हो। यहाँ हर पात्र की अपनी अलग कहानी है, जो भावनात्मक होने के साथ मनोवैज्ञानिक भी है। अपने स्वयं के शरीर को पहचान न पाने की उम्र में, लड़कियों-सा व्यवहार करने की वजह से माता - पिता की अवहेलना जैलाना बच्चा। अपने आसपास के लोगों की अस्वीकार्यता के बाद भी वासना रहित प्रगाढ़ दोस्ती में बंधे स्त्री और पुरुष।

कविता



डॉ. सतीश 'बब्बा'

ऐ जिंदगी तुझे

दुकराकर,

मौत को गले लगाया

है,

जिंदगी तूने मुझे

छकाया है,

एक मौत ही राह दिखाया है!
जिंदगी तू दुखों का खजाना है,
हर सांस एक छलावा है,
हर गीत में गुंगापन है,
मौत से सच जान पाया है!
नींद भी मात्र दिखावा है,
चिरनिद्रा सुख का सागर है,
ऐ जिंदगी तुझे क्या कहूँ,
तुझे जीकर ही मैंने जाना है,
तू तो एक अबूझ पहेली है,

ऐ जिंदगी!

तू ही दुख की सहेली है,
कैसे गाऊँ मैं गीत मितवा के,
जीना मरना ही कहानी है!
ऐ जिंदगी तू मुझे भूल जाएगी,
सुख नींद में एक सपना है,
तू तो आसमां में चमकी बिजली है,
जिंदगी क्षण भर का भ्रम तू है,
झूठा तेरा खजाना है,
जिंदगी नाम आना जाना है,
सच तो यही है झूठे गीत गाना है,
प्रियतम मृत्यु को गले लगाना है!!

ग्राम + पोस्ट = कोबरा,

जिला - चित्रकूट, पिन 210208.

मोबाइल - 9451048508

लघुकथा



राजेश ओझा

‘अरे संजीव, क्या हमेशा पढ़ते ही रहते हो?’

देवेश संजीव की सीट तक पहुँचते ही बोला। देवेश और संजीव दोनों पिछले ही वर्ष बार काउंसिल से पंजीकृत होकर विधि-व्यवसाय में आए थे।

‘कुछ नहीं यार, थोड़ा सी0आर0पी0सी0 देखा रहा था।’

‘मैं तो तंग आ चुका हूँ इस व्यवसाय से। साला, रोज़ पढ़ना पड़ता है।’

‘भैया, यदि मेरिट की वकालत करनी है तो पढ़ना तो पड़ेगा ही। अपने को अपडेट किए बिना आप अच्छा वकील नहीं बन सकते।’

‘अच्छा वकील तब बनेंगे भैया, जब तुम्हारे पास मुकदमे होंगे। आई0पी0सी0, सी0आर0पी0सी0, एविडेंस एक्ट - सब रट रखा है तुमने, पर मुकदमा ही न हो तो अपनी विद्वता दिखाओगे कहीं?’

‘यह तो है... बिना दलाल पाले आज की वकालत संभव ही नहीं।’

‘बिलकुल! मेरा तो बस एक ही फंडा है - कानून-वानून जाए भाड़ में, पहले ये सीखो कि मुकदमा कैसे आए। भवानी बाबू को ही देख लो। आज तक मैंने उन्हें अदालत में बहस करते नहीं देखा, पर रतबा देखो - कार से आते हैं। बस सेटिंग है। हर थाने के दलाल उनके पास। स्टैनो, पेशकार अक्सर उनकी सीट पर बैठे मिल जाएँगे।’

‘वो सब ठीक है यार, पर मुझसे नहीं हो पाता ये सब। यह अभिरामी पेशा है, इसकी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। लेनिन, माण्टेस्क्यू, चाणक्य - ये सब अपने-अपने क्षेत्र के प्रकांड थे, पर ‘विद्वान’ शब्द केवल अधिवक्ता के साथ ही लगता है।’

‘कुछ कमया-वमाया कि नहीं?’

‘सुबह से दो सौ रुपये मिले हैं।’

‘तुम रोते बहुत हो। तुम्हारे बाबूजी तो दो हजार कमा चुके होंगे अब तक।’

‘बाबूजी के कमाने से मेरी क्षमता कैसे आँकी जा सकती है?’

‘अच्छा बाबा, छोड़ो। चलो चाय पीते हैं।’

कैटीन पहुँचे तो देखा, स्टैनो बर्नार्डी काउंटर की ओर अपने नास्ते का भुगतान करने जा रहे थे। हमें देखते ही बोले, ‘अरे वकील साहब आ गए हैं... मेरा पैसा भी ले लेना।’

‘क्यों? मुझसे क्यों लेंगे?’ संजीव झल्लाकर बोला।

‘मैं बाबू हूँ। आप वकील साहब हैं। भले मेरी तनख्वाह पचहत्तर हजार महीने हो, पर रहाँगा बाबू ही। रतबा तो बस आप लोगों का ही है न!’

संजीव जेब में रखे दो सौ रुपये टटोलाता हुआ, अपने ‘रतबे’ और हकीकत के अंतर्संबंध में कहीं खो गया।

गोंडा (३0५0) मो. : 983923535

दो सॉनेट



डॉ. विनीत मोहन अरिध्या

युद्ध की विभीषिका में जल रहा जहान है।

फूंकता है जो बिगुल बन रहा महान है।।

स्वार्थ के प्रयोजनार्थ रच रहे प्रपंच सब।

रक्त के पिपासु नृत्य कर रहे उन्मत्त अब।।

शत्रु के विनाश का अहो सघोष प्रण हुआ।

अस्त्र-शस्त्र सज्ज कर प्रयाण भूमि रण हुआ।।

जीवन हर दांव लगा अति करुण कराहता।।

आर्त स्वर में चीखता विनत कभी पुकारता।।

प्रचंड अट्टहास कर कराल काल बढ़ चला।

शूरवीर युद्ध बलि अमर्ष भेंट चढ़ चला ।।

बिलख रहे सुहाग नित उजड़ रही हैं कोख भी।

बही धरा पे जो नदी रही लहू को सोख भी ।।

मानवता का श्राप रहा है रौद्र रूप अति युद्ध ।

लील रहा सुख शांति भी कर विकास अवरुद्ध

2-प्रतिकार

वतन ये शोक में डूबा, गहनतम मौन है छाया

शहीदों के मृतक ये शव, बता दो कौन है लाया ?

दुखी माँ भारती कहती स्वयं बलिदान देना है

नहीं जाता सहा अब तो, प्रबल प्रतिशोध लेना है।

लगे हैं घाव सीने में, बिलखती है कहीं ममता

न आयेगा कभी क्या दिन दिखेगी जब प्रबल क्षमता

नियमों को ताक पर रख रहा निगम एसएलआरएम सेंटर केवल नाम के पुराने कुरासिया रोड और जंगलों में खुलेआम फेंका जा रहा कचरा

विश्व केसरी■

मनेन्द्रगढ़ (राजेश उपाध्याय)। एक तरफ जहां देश भर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरों को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ नगर पालिका निगम चिरमिरी में नियमों की ध्वजियां उड़ाई जा रही हैं। निगम प्रशासन द्वारा शहर से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक एवं वैधानिक तरीके से निपटान करने के बजाय उसे खुले में पुराने कुरासिया रोड और आसपास के जंगलों में डंप किया जा रहा है।

कबाड़ योग्य कचरे का खेल, बाकी जंगलों के हवाले

स्थानीय सूत्रों और मौके की स्थिति के अनुसार, चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में लगभग 8 से 10 SLRM सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन सेंटरों का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता दीर्घियों द्वारा घर-घर से संग्रह किए गए कचरे का पृथक्कीकरण कर उसका वैज्ञानिक प्रसंस्करण करना है। लेकिन थरातल पर सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है। आरोप है कि स्वच्छता दीर्घियों के माध्यम से केवल वही कचरा SLRM सेंटरों तक मंगवाया और छंटा जा रहा है जिसे आसानी से कबाड़ में बेचकर आय अर्जित की जा सके (जैसे प्लास्टिक

बोतलें, गते और धातु)। बाकी बचे गीले व सूखे अपशिष्ट और हानिकारक कचरे को ट्रैक्टरों व वाहनों में भरकर पुराने कुरासिया रोड तथा समीपस्थ वन क्षेत्रों में खुलेआम फेंका जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन एवं पर्यावरण नियमों का खुल्ला उल्लंघन

नगर निगम की यह लापरवाही पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है, जो सीधे तौर पर निम्नलिखित संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 : नियमों के तहत किसी भी निकाय को खुले जंगलों, सड़कों या वन क्षेत्रों में बिना छंटे कचरा फेंकने की सख्त मनाही है। कचरे का

शत-प्रतिशत पृथक्कीकरण और प्रसंस्करण अनिवार्य है।

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986: जंगलों और सार्वजनिक सड़कों पर रासायनिक व अजैविक कचरा फेंकने से मिट्टी और भू-जल प्रदूषित हो रहा है। वन्यजीवों द्वारा प्लास्टिक खाने से उनके जीवन पर भी संकट मंडरा रहा है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के दिशा-निर्देश: NGT के स्पष्ट निर्देश हैं कि नगरीय निकाय खुले में कचरा जलाने या डंप करने पर दोषी पाए जाने पर भारी जुर्माना का भागीदार होंगे।

स्थानीय निवासियों में आक्रोश, बीमारियों का खतरा

पुराने कुरासिया रोड से गुजरने वाले



राहगीरों और आसपास के रहवासियों का बदबू के कारण जीना मुहाल हो चुका है। बारिश और हवा के कारण यह कचरा दूर-दूर तक फैल रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियाँ और महामारी फैलने का अंदेश बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्वच्छता के नाम पर केवल कागजी आंकड़ेबाजी की जा रही है, जबकि जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है।

बड़ा सवाल: जिम्मेदार मौन क्यों ?

जब लाखों रुपये की लागत से 8-10 SLRM सेंटर बनाए गए हैं, तो उनका पूर्ण उपयोग क्यों नहीं हो रहा ? क्या निगम प्रशासन का ध्यान केवल कबाड़ से होने वाली आय पर है, पर्यावरण संरक्षण पर नहीं ? जंगलों और मुख्य सड़कों को डंपिंग यार्ड बनाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी ? नगरवासियों ने जिला प्रशासन और पर्यावरण संरक्षण मंडल से मांग की है कि पुराने कुरासिया रोड और जंगलों में अवैध रूप से कचरा फेंकने पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 27 अक्टूबर को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। युवाओं में पारस्परिक एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 27 अक्टूबर को शासकीय पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, अंबिकापुर में किया जाएगा। युवा उत्सव में जिले के युवा लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज, पारंपरिक वेशभूषा और विकसित भारत चैलेंज ट्रैक में भाग लेंगे।

15 से 29 वर्ष तक के युवा कर सकते भागीदारी

प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष तथा संगतकारों की आयु 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 की स्थिति में की जाएगी। कोई भी प्रतिभागी किसी एक ही विधा में भाग ले सकेगा। प्रत्येक विधा के विजेताओं का चयन कम से कम तीन विषय विशेषज्ञों की निर्णायक समिति करेगी।

विकसित भारत चैलेंज ट्रैक में माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन विजय के बाद चयनित प्रतिभागी विशेष लेखन और प्रस्तुतीकरण के चरण में पहुंचेंगे। जिला स्तर पर शीर्ष 50 निबंधों का चयन पीपीटी राउंड के लिए होगा।

प्रतिभागियों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अधिकतम पांच मिनट मिलेंगे। इस ट्रैक का विषय 'जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन एवं समावेशी विकास' है। विधावार निर्धारित हैं प्रस्तुति के नियम लोक नृत्य और लोकगीत दल में सात सदस्य तथा अधिकतम तीन संगतकार शामिल हो सकेंगे। दोनों विधाओं में प्रस्तुति के लिए 5 से 8 मिनट और मंच व्यवस्था के लिए अतिरिक्त तीन मिनट दिए जाएंगे। लोक नृत्य में टेप रिकॉर्डेड संगीत मान्य नहीं होगा, जबकि लोकगीत भारतीय क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुत किया जा सकेगा; फिल्मी गीत मान्य नहीं होंगे। जिला स्तर के शीर्ष दो दल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। चित्रकला में प्रतिभागी को निर्धारित विषय पर ए-3 आकार के पोस्टर पर एक मौलिक चित्र बनाना होगा। इसके लिए अधिकतम छह घंटे मिलेंगे और पोस्टर पर प्रस्तुत मूल चित्र ही मान्य होगा।

सरस्वती शिशु मदिरों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर 150 स्कूलों में डिजिटल क्लास रूम में होगा अध्यापन

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर भानुप्रतापपुर में विभागी स्तरीय प्रबंधकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक में 17 विद्यालयों की स्कूल प्रबंधन समितियों के पदाधिकारी, सदस्य तथा प्राचार्य-प्रधानाचार्य शामिल हुए। संस्थान के प्रादेशिक सचिव लक्ष्मण राव मगर ने बैठक में पहुंचकर विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए तैयार किए गए रोडमैप की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि विभिन्न असुविधाओं के बावजूद सरस्वती शिशु मंदिरों के परीक्षा परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है। शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए प्रांतीय स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालयों का चयन किया गया है। इसके साथ ही 150 विद्यालयों में करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल क्लासरूम तैयार किए गए हैं। इन कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। विद्यार्थी सीधे विशेषज्ञ शिक्षकों से जुड़कर सवाल भी पूछ सकेंगे।

जनवरी से चिन्हॉकिंग विद्यार्थियों को जेईई और नीट की कोकिंग भी डिजिटल माध्यम से दी जाएगी। संभावित टॉपर विद्यार्थियों के लिए 10 दिन का विशेष प्रशिक्षण आयोजित कर उनकी तैयारी को और मजबूत किया जाएगा। बैठक में खेलकूद के क्षेत्र में विद्यालय के विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन की भी जानकारी दी गई।



नारी सशक्तिकरण की थीम पर बनी माँ दुर्गा झाकियों का भव्य स्वागत

विश्व केसरी■

मुंगेली (रवि शुक्ला)। माँ जगतजननी जगदंबा की विसर्जन झांकी के अवसर पर स्टार्स ऑफ दुमुरी वेलफेयर सोसायटी द्वारा नगर के महाराणा प्रताप चौक में भव्य मंच बनाकर झांकियों का आत्मीय स्वागत किया गया। माँ दुर्गा के प्रति आस्था, श्रद्धा और भक्ति से सरोबोर इस आयोजन में देर रात तक हजारों की संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया।

इस वर्ष संस्था ने नारी सशक्तिकरण को विशेष महत्व देते हुए माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रेरणा से नौ अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को निर्णायक

मंडल में शामिल किया। इस पहल के माध्यम से संस्था ने समाज में महिलाओं की प्रतिभा, निर्णय क्षमता, नेतृत्व और योगदान को सम्मान देने का संदेश दिया।

निर्णायक मंडल में सृष्टि शर्मा, विनिया सिंह, सोनम ठाकुर, पूर्वी सचदेव, समप्रित कौर, दिव्या



परिहार, हेमा खत्री, ऋतु तिवारी एवं अंजली सोनी शामिल रहीं। निर्णायक मंडल के निर्णय के अनुसार सर्वश्रेष्ठरी दुर्गा उत्सव आगर क्लब ने प्रथम, बाल दुर्गा उत्सव समिति मनुराज टॉकीज ने द्वितीय तथा सर्वसिद्धि दुर्गात्सव समिति मल्हापारा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीनों विजेता समितियों को आगामी मुंगेली व्यापार मेला के भव्य मंच से निर्धारित पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

महिला निर्णायकों ने की पहल की सराहना - निर्णायक मंडल की सदस्य एडवोकेट विनिया

सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ महिलाओं को निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना एक सराहनीय पहल है। इससे महिलाओं की क्षमता पर विश्वास मजबूत होता है और समाज में उनकी भागीदारी को नई पहचान मिलती है। महिला उद्यमी हेमा खत्री ने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल नाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि महिलाओं को निर्णय लेने, नेतृत्व करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलने चाहिए। स्टार्स ऑफ दुमुरी की यह पहल उसी दिशा में एक सार्थक कदम है। शिक्षिका ऋतु तिवारी ने कहा कि माँ दुर्गा के नौ स्वरूप नारी की शक्ति, साहस और आत्मविश्वास के प्रतीक हैं।

पीवी एप सर्वे में निजी सर्वेयरो की व्यवस्था पर पटवारियों का विरोध



विश्व केसरी■

जांजीगर-चांपा (नीरज शर्मा)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे राजस्व पटवारियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। हड़ताल के 11वें दिन शुक्रवार 23 अक्टूबर को पटवारियों ने काले कपड़े पहनकर जिला मुख्यालय जांजीगर में रैली निकाली और विरोध प्रदर्शन किया। पटवारी संघ ने डिजिटल क्रांप सर्वे एवं पीवी एप के माध्यम से फसलों के भौतिक सत्यापन का कार्य निजी सर्वेयरो से कराए जाने की व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति जताई। इस दौरान पटवारियों ने अपनी मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के निराकरण की मांग की।

डिजिटल क्रांप सर्वे में तकनीकी समस्याओं से बढ़ती परेशानी - जिले में डिजिटल क्रांप सर्वे और पीवी एप के माध्यम से फसलों के भौतिक सत्यापन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है।

चांगरो में जीराफूल चावल पर संवाद, किसानों और समूह की दीर्घियों को आर्थिक संबल देने का संकल्प

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम चांगरो में सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा, कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी ने ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर आत्मीय चर्चा की। गांव के कृषक वर्षों से जीराफूल चावल की जैविक खेती कर इस पारंपरिक धरोहर को सहेजे हुए हैं। अतिथियों ने किसानों के इस प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें और अधिक उत्साह के साथ खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जीराफूल चावल एक पारंपरिक, सुगंधित और छोटे दाने वाली किस्म है, जिसके पतले दाने जीरे के समान होने के कारण इसे यह नाम मिला है। मार्च 2019 में जीआई टैग प्राप्त यह चावल अपने प्राकृतिक मीठीपन और मनमोहक सुगंध के

का जीराफूल चावल हमारी अनमोल संपत्ति है और इसकी सुगंध को केवल जिले तक सीमित न रखकर राज्य और देशभर में पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने किसानों और महिलाओं की समृद्धि के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि राज्य शासन के सहयोग से जीराफूल चावल की बेहतर मार्केटिंग सुनिश्चित की जाएगी।



लिए विख्यात है, जिसकी खुशबू पकते समय आसपास के घरों तक फैल जाती है। हल्का और सुपाच्य होने के साथ ही यह क्षेत्र के सबसे महंगे चावलों में शुमार है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक है। सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने ग्रामीणों को रासायनिक खाद से दूरी बनाकर जैविक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चांगरो

ऑपरेशन 'बॉज' के तहत सक्ती पुलिस की लगातार कार्रवाई



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देश में जिले में लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए रेंज कार्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन 'बॉज' के तहत विशेष अभियान चलाने हेतु दिशा - निर्देश प्राप्त हुआ था है। अभियान के अंतर्गत फरार वारंटियों की

पतासाजी कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु थाना स्तर पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सक्ती भुवनेश्वरी पैकरा के मार्गदर्शन में थाना सक्ती पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर को और तीन स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।

पामगढ़ में दो लोगों की सदिव्ध परिस्थितियों में मौत, सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। जांजीगर-चांपा जिले के नगर पंचायत पामगढ़ में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतकों में वार्ड क्रमांक 8 के पार्श्व रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लीनिक का संचालन करने वाले जोहितराम खरे शामिल हैं। दोनों की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद नगर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं, वहीं मौत के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

तबीयत बिगड़ने पर बिलासपुर

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ ले जाया गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि पार्श्व रामखिलावन जांगड़े को सिम्स बिलासपुर में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम खरे को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। दोनों की मौत की खबर से घटना के बाद पैसों के लेनदेन और शराब सेवन को लेकर विभिन्न चर्चाएं सामने आ रही हैं। सूत्रों के हवाले से जोहितराम खरे का अपने एक रिश्तेदार से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद होने की बात कही जा रही है।



किया गया रेफर

लॉजिस्टिक्स चुनौतियों के बावजूद भारत का चावल निर्यात मजबूत : विशेषज्ञ

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2026 के दौरान उद्योग जगत, निर्यातकों, नीति निर्माताओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने एक सुरु में कहा कि भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। सम्मेलन के दौरान एपीडा, राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन और कई अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने चावल उद्योग से जुड़ी चुनौतियों, अवसरों और भविष्य की रणनीतियों पर आईएएनएस से विस्तार से बात की।

वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत एपीडा के महाप्रबंधक तरुण बजाज ने आईएनएस से बात करते हुए कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन धीरे-धीरे दुनिया के सबसे बड़े चावल-केंद्रित आयोजनों में बदलता जा रहा है। उन्होंने कहा, ‘ भारत वैश्विक चावल निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है और दुनिया का निर्विवाद नेता है। ऐसे में



भारत में ऐसा मंच होना जरूरी है, जहां किसान से लेकर उपभोक्ता तक पूरी वैल्यू चेन के लोग एक साथ बैठकर चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा कर सकें।’

उन्होंने आगे कहा कि अभी सबसे बड़ी चुनौती लॉजिस्टिक्स की है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और रेड सी जैसे क्षेत्रों में तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, शिपिंग समय बढ़ा है, बीमा लागत बढ़ी है और

परिवहन शुल्क कई गुना तक बढ़ गए हैं। इसके बावजूद भारत सरकार, राज्य सरकारों और उद्योग जगत के संयुक्त प्रयासों से निर्यात को सुचारू बनाए रखने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि चावल केवल एक व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि कई देशों की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है और भारत एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ आयातक देशों की खाद्य सुरक्षा का भी

ध्यान रख रहा है। इसके साथ ही, राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने आईएनएस से बातचीत में कहा कि भारत की स्थिति वैश्विक चावल निर्यात बाजार में बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दूसरे, तीसरे और चौथे सबसे बड़े चावल निर्यातकों की संयुक्त हिस्सेदारी भी भारत से कम है। हालांकि उन्होंने आगाह किया कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती लॉजिस्टिक्स लागत है। उन्होंने बताया कि थाईलैंड और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देश जलमार्गों पर अधिक निर्भर हैं, जबकि भारत में अधिकांश परिवहन सड़क मार्ग से होता है, जिससे लागत बढ़ जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार और उद्योग जगत को ऐसे चावल के उत्पादन पर अधिक ध्यान देना चाहिए जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग अधिक हो, ताकि निर्यातकों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का समर्थन लगातार मिल रहा है और भारत कई वर्षों से 35-40 प्रतिशत वैश्विक बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने में सफल रहा है।

हफ्ते भर में गोल्ड करीब 3.3, सिल्वर 7.8 फीसदी फिसला

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते सोना और चांदी इस सप्ताह भारी दबाव में रहे और दोनों कीमतों धातुओं ने तेज गिरावट दर्ज की। सोने की कीमतों में इस सप्ताह करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो जून के बाद इसका सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन माना जा रहा है। वहीं चांदी भी लगातार बिकवाली के दबाव में रही और इसकी कीमतों में इस सप्ताह 7.8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली, जो नवंबर 2025 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रखने की आशंकाओं ने सोने-चांदी की मांग को प्रभावित किया है। चूंकि सोना ब्याज नहीं देता, इसलिए ऊंची ब्याज दरों के माहौल में इसकी आकर्षण क्षमता कम हो जाती है।

फ्रेलू बाजार में भी अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर साफ दिखाई



दिया। मल्टी कम्पैडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर वायदा भाव गिरकर 1,42,150 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुंच गया। कारोबार के दौरान सोना 1,42,079 रुपए प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया, जो पिछले सत्र की तुलना में लगभग 1,230 रुपए यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। चांदी में और बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिसंबर वायदा चांदी का भाव करीब 1,95,408 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जिसमें 4,191 रुपए यानी 2.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। लगातार बिकवाली के कारण चांदी

का भाव अब 2 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे बना हुआ है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, शनिवार सुबह कॉमेक्स गोल्ड 1.24 प्रतिशत गिरकर 4,010 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गया, जबकि कारोबार के दौरान यह 3,989.10 डॉलर प्रति औंस तक फिसला, जो 20 जुलाई के बाद का सबसे निचला स्तर है। जबकि कॉमेक्स पर चांदी करीब 1.9 प्रतिशत गिरकर 53.96 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा

एसटीपीएल और संस्थापक पर सेबी का बड़ा एक्शन, 546 करोड़ रुपए रिफंड के साथ 11.5 करोड़ रुपए का लगाया जुर्माना

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सेबी यानी पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (एसईबीआई) ने अवधूत साठे ट्रेडिंग एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड (एसटीपीएल) और इसके संस्थापक अवधूत साठे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए निवेशकों और प्रतिभागियों से जुटाए गए 546.17 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश दिया है। सेबी ने पाया कि कंपनी और उसके संस्थापक बिना आवश्यक पंजीकरण के निवेश सलाहकार और रिसर्च एनालिस्ट से जुड़ी गतिविधियां संचालित कर रहे थे।

अपने अंतिम आदेश में सेबी ने अवधूत साठे और उनकी कंपनी को प्रतिभूति बाजार से दो वर्षों के लिए या रिफंड संबंधी निर्देशों का पालन होने तक, जो भी अधिक हो, प्रतिबंधित कर दिया है। वहीं कंपनी के निदेशक अवधूत साठे को छह



महीने के लिए बाजार से दूर रहने का आदेश दिया गया है।

सेबी ने निर्देश दिया है कि कंपनी और अवधूत साठे आदेश प्राप्त होने के पांच महीने के भीतर पूरी 546.17 करोड़ रुपए की राशि एक विशेष बैंक खाते में जमा करें। इसके साथ ही उन्हें 30 दिनों के भीतर अंग्रेजी, हिंदी और एक व्यापक रूप से प्रसारित स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित कर निवेशकों को रिफंड प्रक्रिया की जानकारी देनी होगी।

जा सके। इसके बाद भी यदि धन शेष रहता है तो उसे निवेशक संरक्षण एवं शिक्षा कोष (आईपीईएफ) में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

सेबी ने कंपनी, अवधूत साठे और गौरी साठे पर कुल 11.5 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसमें कंपनी पर 6 करोड़ रुपए, अवधूत साठे पर 4 करोड़ रुपए और गौरी साठे पर 1.5 करोड़ रुपए का दंड शामिल है। यह राशि आदेश प्राप्त होने के 45 दिनों के भीतर जमा करनी होगी।

सेबी ने अपने आदेश में कहा है कि जब तक पूरी राशि जमा नहीं की जाती, तब तक संबंधित पक्षों के बैंक खातों से डेबिट लेनदेन पर रोक रहेगी। यह कार्रवाई सेबी की जांच के बाद की गई, जिसमें पाया गया कि एसटीपीएल और उसके संस्थापक केवल शेयर बाजार की शिक्षा देने तक सीमित नहीं थे।

एमपी एफडीए ने पतंजलि के गाय घी के एक बैच को बताया असुरक्षित

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। पतंजलि फूड्स लिमिटेड को मध्य प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से बड़ा झटका लगा है। नियामक प्राधिकरण ने कंपनी को उसके गाय के घी (काउ घी) के एक विशेष बैच को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया है। कंपनी ने शनिवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आधार पर की गई है।

कंपनी के अनुसार, मध्य प्रदेश एफडीए द्वारा लिए गए नमूने की जांच में संबंधित बैच फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स एंड कंजर्वेटिव्स, टॉक्सिन्स एंड रेजिड्यूज) रेगुलेशंस, 2011 के तहत निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरा। इसके बाद नियामक ने बुरहानपुर जिले में उस बैच को वापस मंगाने का आदेश जारी किया।

हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह मध्य प्रदेश एफडीए के नामित अधिकारी द्वारा जारी आदेश के खिलाफ अपील दायर कर रही है। पतंजलि फूड्स का कहना है कि इस कार्रवाई का उसके वित्तीय या परिचालन कारोबार पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा और असर केवल संबंधित घी बैच के मूल्य तक ही सीमित रहेगा।

कंपनी ने अपने बयान में कहा कि ‘ वित्तीय और परिचालन गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है, सिवाय उस विशेष बैच के काउ घी के मूल्य के।’

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को पतंजलि



फूड्स का शेयर बीएसई पर 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 351 रुपए पर बंद हुआ। पिछले 52 सप्ताह में इस शेयर ने 613.95 रुपए का उच्चतम और 328.05 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है। बीते एक वर्ष में कंपनी के शेयर में लगभग 41 प्रतिशत और पिछले तीन वर्षों में करीब 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि पांच वर्षों की अवधि में यह शेयर लगभग 5 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न देने में सफल रहा है।

यह पहला अवसर नहीं है जब कंपनी किसी खाद्य सुरक्षा विवाद में घिरी हो। इससे पहले जून में पतंजलि फूड्स के शेयरों में लगातार पांच दिनों तक गिरावट

भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने के लिए कुशल प्रतिभाओं की जरूरत: डॉ. प्रीति अदाणी

विश्व केसरी■
अहमदाबाद। अदाणी विश्वविद्यालय की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच अधिक गहरे सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि देश के सेमीकंडक्टर मिशन को सफल बनाने के लिए केवल अत्याधुनिक निर्माण संयंत्र पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि यह होगा कि हम मानव बुद्धिमत्ता का कितना विवेकपूर्ण उपयोग कर बेहतर भविष्य का

सिनोप्सिस, सिरिल अमरचंद मंगलदास और इन्फिनियन टेक्नोलॉजीज के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इन विशेषज्ञों ने वायरलेस टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर डिजाइन, मेमोरी एवं स्टोरेज, पावर सिस्टम्स और कानूनी ढांचे सहित सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में उभर रहे अवसरों और चुनौतियों पर विचार साझा किए।

सम्मेलन के दौरान तीन प्रमुख पैनेल चर्चाएं आयोजित की गईं। इनमें ‘द प्यूचर ऑफ सेमीकंडक्टर डिजाइन इन इंडिया’



निर्माण करते हैं।’

अदाणी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में क्वालाकॉम, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स, माइक्रोन टेक्नोलॉजी,

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर लगातार मजबूत बनी हुई है: रिपोर्ट

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंकाओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और सख्त वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद भारत ने मजबूत आर्थिक वृद्धि बनाए रखी है और वह दुनिया की प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे बना हुआ है।

तंजानिया के समाचार प्रकाशन द गार्जियन (आईपीपी मीडिया) में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख वैश्विक संस्थानों द्वारा भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमानों में लगातार ऊपर की ओर संशोधन किया जाना इस बात का संकेत है कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण ग्रोथ इंजन बन चुका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात विविधीकरण, डिजिटल परिवर्तन, राजकोषीय अनुशासन और ऊर्जा सुरक्षा जैसे कारक भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाकर कर रहे हैं और दीर्घकालिक तथा समावेशी आर्थिक विकास को समर्थन दे रहे हैं। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की विकास दर का अनुमान 2026 और 2027 दोनों वर्षों के लिए बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। इससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति मजबूत

करता दिखाई देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग और बाहरी झटकों से निपटने की क्षमता का परिणाम है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत उसका विशाल और विविधतापूर्ण घरेलू बाजार है। घरेलू उपभोग, निजी निवेश और बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक खर्च मिलकर आर्थिक गतिविधियों का व्यापक आधार तैयार करते हैं। यही कारण है कि जब वैश्विक मांग कमजोर होती है या अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ती है, तब भी भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत सुरक्षित बनी रहती है। निजी उपभोग ऑटोमोबाइल, आवास, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं जैसे कई क्षेत्रों को गति दे रहा है। बढ़ती आय, शहरीकरण, डिजिटल पहुंच और बेहतर कनेक्टिविटी मांग बढ़ाने के साथ-साथ निवेश एवं नवाचार को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।



करवा चौथ पर सासू मां के लिए ले आएंगे ये 7 क्यूट गिफ्ट, परवाह देख तुरंत लगा लेंगी गले!



अगर आप करवा चौथ पर सासू मां के लिए तोहफे लेने की सोच रही हैं लेकिन समझ नहीं आ रहा कि क्या दिया जाए तो आप इन गिफ्ट आइडिया को आजमाकर देखें. यकीन मानिए इन गिफ्ट को देखते ही उनकी आंखों में रौशनी चमक उठेगी और वो खुशी से आपको गले लगा लेंगी.

करवा चौथ का त्योहार सिर्फ

पति-पत्नी के प्रेम और समर्पण का पर्व नहीं, बल्कि यह सास और बहू के रिश्ते को मजबूत करने का भी मौका होता है. आमतौर पर इस दिन सासू मां अपनी बहू को प्यार से सरंगी देती हैं और आशीर्वाद देती हैं. ऐसे में अगर आप भी इस बार अपनी सासू मां को कोई खास और प्यारा-सा सरप्राइज देना चाहती हैं, तो उन्हें एक क्यूट-सा तोहफा

दे सकती हैं. यकीन मानिए, आपका यह छोटा सा प्रयास देखकर उनका दिल खुशी से भर उठेगा और वे आपको तुरंत गले लगा लेंगी

कस्टमाइज्ड या पर्सनलाइज्ड पूजा थाली सेट – करवा चौथ की पूजा में थाली का एक खास महत्व होता है. अपनी सासू मां के लिए इस बार आप एक खूबसूरत और हैंडक्राफ्टेड कस्टमाइज्ड

थाली सेट चुनें, जिस पर उनका नाम या उनके लिए कोई प्यार भरा संदेश लिखा हो. इस सेट में मैचिंग लोटा, छलनी और दिया भी शामिल कर सकती हैं.

आरामदायक और क्लासी पशमीना या बनारसी शॉल – करवा चौथ के साथ ही हल्की-हल्की गुलाबी ठंड की दस्तक भी होने लगती है. ऐसे में आप एक सुंदर पशमीना, कांजीवरम या पारंपरिक बनारसी शॉल तोहफा में दे सकती हैं. यह न सिर्फ दिखने में बेहद रॉयल और एलिगेंट लगता है, बल्कि उनकी ज़रूरतों का ध्यान रखने वाली आपकी यह

परवाह उन्हें बेहद पसंद आएगी. वेलनेस और स्किनकेयर हैम्पर – दिनभर का उपवास और पूजा-पाठ की भागदौड़ के बाद सासू मां को थोड़े रिलैक्सेशन की ज़रूरत ज़रूर होती है. उनके लिए एक खास वेलनेस हैम्पर तैयार करें, जिसमें हर्बल बाँड़ी लोशन, आयुर्वेदिक फुट क्रीम, एसेंशियल ऑयल्स, खुशबूदार मोमबत्तियां और ऑर्गेनिक हर्बल टी शामिल हो. उम्र के इस पड़ाव में जब आप उनके सेल्फ-केयर का ख्याल रखेंगी, तो यह उनके लिए किसी कीमती सरप्राइज से कम नहीं होगा।



ग्लूटेन फ्री और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर है राजगिरा डोसा, वजन घटाने वालों के लिए परफेक्ट ब्रेकफास्ट!



अगर आप ब्रेकफास्ट में कुछ हेल्दी, हल्का और टेस्टी वूड रहे हैं, तो राजगिरा डोसा आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन है. प्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह ग्लूटेन-फ्री डोसा पेट को हल्का रखता है और दिनभर भरपूर एनर्जी देता है. जागें इसे केवल 10 मिनट में बनाने की आसान रेसिपी!

सुबह-सुबह नाश्ते में क्या बनाया जाए, जो स्वादिष्ट भी हो, पेट को भारी भी न करे और हेल्थ के लिए भी अच्छा हो? अगर आप भी रोज यही सोचते सोचते सो रहे हैं, तो इस बार हम आपके लिए कुछ अलग आइडिया लेकर आए हैं. जी हां, राजगिरा डोसा एक ऐसा ब्रेकफास्ट ऑप्शन है, जिसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं. इसे बनाने के लिए न तो चावल भिगोने की ज़रूरत है और न ही बैटर को घंटों फर्मेंट होने के लिए छोड़ना पड़ता है. राजगिरा के आटे से बना यह डोसा फटाफट बन जाता है.

इसकी अच्छी बात यह यह ग्लूटेन फ्री होता है और इसमें प्रोटीन, फाइबर के साथ कई ज़रूरी खनिज पाए जाते हैं. यही वजह है कि ग्लूटेन से परहेज करने वाले लोग भी इसे अपने खानपान में शामिल कर सकते हैं. यही नहीं, अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो भी राजगिरा में मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती.

पहला स्टेप: सबसे पहले एक बड़े बर्तन में राजगिरा का आटा लें और इसमें नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें।

शरीर में खून की हो गई है कमी? डाइट में शामिल करें ये चीजें, फॉलो करें 7 दिन का आसान डाइट प्लान



शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कम होना आजकल काफी कॉमन समस्या हो गई है. इस समस्या से निपटने के लिए सही और पौष्टिक आहार लेना बहुत ज़रूरी है. बीएलके मैक्स हॉस्पिटल के डॉ. राजेंद्र कुमार सिंघेल के अनुसार, अगर आप अपने खानपान में कुछ खास बदलाव करें, तो शरीर में खून की कमी को तेजी से पूरा किया जा सकता है. आइए जानते हैं कि इस एक हफ्ते के डाइट प्लान

महसूस होने लगती है? कई बार बिना ज्यादा काम किए भी कमजोरी महसूस होती है, चक्कर आते हैं या सांस फूलने लगती है. इन लक्षणों की वजह ज्यादातर शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी यानी एनीमिया हो सकती है.

शरीर में हीमोग्लोबिन का काम फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर उसे शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाना होता है. जब इसकी मात्रा कम होने लगती है, तो शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और थकान व कमजोरी जैसी

परेशानियां महसूस हो सकती हैं. महिलाओं में पीरियड्स के दौरान ज्यादा खून बहना, खाने में आयरन की कमी, गर्भावस्था और कुछ बीमारियां भी एनीमिया की वजह बन सकती हैं.

हीमोग्लोबिन का स्तर कम है, तो आपको बार-बार थकान महसूस होना, त्वचा का पीला पड़ना, चक्कर आना या सांस फूलने जैसी परेशानियां हो सकती हैं. कुछ लोगों को दूसरों के मुकाबले ज्यादा ठंड लगती है या दिल की धड़कन तेज महसूस होती है. ये सभी एनीमिया

यानी खून की कमी के आम लक्षण हो सकते हैं. हालांकि, इन लक्षणों की दूसरी वजहें भी हो सकती हैं. ऐसे में सही खानपान की अहम भूमिका होती है. आयरन, विटामिन बी12, फोलेट और विटामिन सी से भरपूर चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है.'

अगर आप शाकाहारी हैं या नॉनवेज खाते हैं, तो अपनी पसंद के मुताबिक इन विकल्पों को रोज के खाने में शामिल कर सकते हैं. कोशिश करें कि भोजन में दालें, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, फल, मेवे और प्रोटीन के अच्छे स्रोत हों. सुबह का नाश्ता: मूंगफली और करी पत्ते वाला पोहा बनाएं. चाहें तो इसमें मटर भी डाल सकते हैं.

ब्रंच में: एक अमरूद या अनार खाएं. अमरूद विटामिन सी का अच्छा स्रोत है, जो पौधों से मिलने वाले आयरन को शरीर में अवशोषित करने में मदद करता है. दोपहर का खाना: राजमा, चावल और ताजा सलाद लें. सलाद पर नींबू निचोड़ना न भूलें.

शाम का नाश्ता: दो खजूर और थोड़े बादाम खा सकते हैं.

रात का खाना: पालक पनीर या पालक टोफू के साथ मिस्री रोटी लें।

च्यवनप्राश को टक्कर, सेहत के लिए वरदान...7 दिन में बनता है बलिया का ये आंवला हलवा



सर्दियों की आहट के साथ बलिया में आंवले के हलवे की मांग बढ़ने लगी है. सूजी, आटा, गाजर और बेसन का हलवा तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन इसका स्वाद सबसे निराला है. आंवले का हलवा न केवल खाने में स्वादिष्ट है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है. बलिया में इसे बेचने वाले दुकान के मालिक प्रियांशु मदनवाल लोकल 18 से बताते हैं कि इस हलवे को गुड़ में तैयार किया जाता है. काजू और दूसरे ड्राई फ्रूट्स भी मिलाए जाते हैं. यह हलवा 600 रुपये प्रति किलो बिकता है. इसे रोज सुबह एक चम्मच खाने से पूरे दिन शरीर में ऊर्जा बनी रहती है.

उत्तर प्रदेश के जयपद बलिया में मौसम बदलते ही सेहत और स्वाद से भरपूर आंवले के हलवे की मांग तेजी से बढ़ने लगी है. सूजी, आटा, गाजर और बेसन का हलवा तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन गुड़ और आंवले से तैयार यह विशेष हलवा न केवल खाने में बेहतर स्वादिष्ट है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है. सर्दियों से आंवले का प्रयोग घरेलू नुस्खे में होता आया है. ठंड के मौसम में दूर-दूर से लोग इस अनोखे हलवा का स्वाद लेने पहुंचते हैं. दुकान के मालिक प्रियांशु मदनवाल लोकल 18 से बताते हैं कि इस स्पेशल आंवले के हलवे को पूरी तरह से गुड़ में तैयार किया जाता है. चीनी का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है. सेहत का पूरा ख्याल रखते हुए इसमें काजू और दूसरे पौष्टिक ड्राई फ्रूट्स भी मिलाए जाते हैं. यह हलवा 600 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध है. ग्राहक ज़रूरत के अनुसार इसे 60 रुपये में 100 ग्राम या 50 ग्राम भी खरीदते हैं।

शरद पूर्णिमा पर बनाना है खीर, इस ट्रिक से 15 मिनट में तैयार करें मलाईदार खीर

शरद पूर्णिमा हिन्दू धर्म में खास महत्व रखता है. इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है. इस दिन खीर बनाया जाता है और खुले आसमान के नीचे रखा जाता है, चंद्रमा की रौशनी सीधे खीर में पहुंचें. फिर इसे प्रसाद के रूप में घर के सभी लोग ग्रहण करते हैं. वैसे तो मलाईदार और स्वादिष्ट खीर बनाने में काफी टाइम लगता है. लेकिन हम आपको एक ऐसी ट्रिक बता रहे हैं, जिससे सिर्फ 15 मिनट में आप खीर बनाकर तैयार कर सकते हैं.

मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात खीर को चंद्रमा की रौशनी में रखने से उसमें अमृत बरसता हैं. यही वजह है कि कई हिन्दू घरों में दूध और चावल से बनी खीर तैयार की जाती है. अगर आप भी इस शरद पूर्णिमा पर खीर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन घंटों तक दूध को उबालना नहीं चाहते, तो प्रेशर कुकर वाली यह रेसिपी आपके काम आ सकती है. इसकी मदद से आप कम मेहनत में गाढ़ी, मलाईदार और स्वादिष्ट खीर बना



सकते हैं. आइए जानते हैं प्रेशर कुकर में खीर बनाने का आसान तरीका.

प्रेशर कुकर में खीर बनाने के लिए सामग्री- द कप चावल, 1 लीटर फुल क्रीम दूध, डू लीटर दूध

(बाद में मिलाने के लिए), 2 हरी इलायची, 200 ग्राम कंडेंस्ड मिल्क, 1 बड़ा चम्मच कटे हुए बादाम, 1 बड़ा चम्मच कटे हुए काजू, 1 बड़ा चम्मच किशमिश, केवड़ा एसेंस की कुछ बूंदें (वैकल्पिक)

प्रेशर कुकर में मलाईदार खीर बनाने का तरीका: चावल को अच्छी तरह धो लें- सबसे पहले चावल को 2-3 बार साफ पानी से धो लें, ताकि उसमें मौजूद अतिरिक्त स्टार्च और गंदगी निकल जाए. इसके बाद

चावल को कुछ देर पानी में भिगोकर रख सकते हैं. इससे चावल जल्दी पकने में मदद मिलती है.

कुकर में दूध और चावल डालें- अब प्रेशर कुकर में धुले हुए चावल, 1 लीटर फुल क्रीम दूध और हरी इलायची डाल दें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें. कुकर का ढक्कन बंद करें और आंच धीमी रखें. प्रेशर बनने के बाद इसे करीब 15 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं. ध्यान रखें कि दूध के साथ प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करते समय कुकर को ज़रूरत से ज्यादा न भरें.

प्रेशर अपने आप निकलने दें- गैस बंद करने के बाद कुकर का प्रेशर अपने आप पूरी तरह निकलने दें. प्रेशर खत्म होने के बाद ही ढक्कन खोलें. अब चावल को चेक करें. चावल अच्छी तरह गल गए हों, तो खीर को चम्मच से चलाएं. कंडेंस्ड मिल्क और बचा हुआ दूध मिलाएं- अब कुकर में आधा लीटर दूध और 200 ग्राम कंडेंस्ड

मिल्क डालें. इसे अच्छी तरह मिलाकर धीमी आंच पर करीब 5 मिनट तक पकाएं. बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि खीर बर्तन के तले में न लगे. कंडेंस्ड मिल्क से खीर में मिठास और गाढ़ापन आता है.

ड्राई फ्रूट्स डालकर तैयार करें- आखिर में कटे हुए बादाम, काजू,

किशमिश और केवड़ा एसेंस की कुछ बूंदें डाल दें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं. आपकी गाढ़ी और मलाईदार चावल की खीर तैयार है. इसे गर्मागर्म परोस सकते हैं या ठंडा करके भी खा सकते हैं.

शरद पूर्णिमा पर खीर बनाने समय ध्यान रखें- खीर को

मलाईदार बनाने के लिए फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें. कंडेंस्ड मिल्क में पहले से मिठास होती है, इसलिए अतिरिक्त चीनी डालने से पहले स्वाद जरूर चखें. खीर ठंडी होने पर और गाढ़ी हो जाती है, इसलिए ज़रूरत के अनुसार थोड़ा दूध मिला सकते हैं।



तनुश्री दत्ता के साथ काम करने का अनुभव अच्छा नहीं था, वे गैर-पेशेवर थीं: हेतल यादव

अभिनेत्री हेतल ने तनुश्री दत्ता और उनकी बहन इशिता दत्ता के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए।

मुंबई। अभिनेत्री हेतल ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने तनुश्री और उनकी छोटी बहन इशिता दत्ता, दोनों के साथ काम किया है लेकिन तनुश्री के मुकाबले इशिता के साथ काम करना ज्यादा आसान रहा है।

“तनुश्री के साथ मेरा काम करने का अनुभव अच्छा नहीं था। इसलिए अगर आप मुझसे ईमानदारी से पूछें तो मुझे उनका बर्ताव गैर-पेशेवर लगा था। जब हम सेट पर कुछ बता रहे होते थे, तो वे ध्यान नहीं देती थीं और जब आप उन्हें किसी खास तरीके से करना है, तो वे खो जातीं और गुस्सा हो जाती थीं।”

— हेतल यादव

रोमांटिक गाने में भी थी दिक्कत

हेतल ने आगे कहा, “जब हम एक रोमांटिक गाना कर रहे थे, तो उन्हें उसमें भी दिक्कत थी। वे कहती थीं, ‘यहां टच मत करो, इसे टच मत करो’। उस फिल्म में तीन गाने थे। मैंने उसमें एक्टिंग भी की थी और एक रोल निभाया था। तो कुल मिलाकर मेरा यही अनुभव रहा है।”

‘अपार्टमेंट’ फिल्म में साथ काम

उन्होंने बताया, “मैंने तनुश्री के साथ फिल्म ‘अपार्टमेंट’ में काम किया था और उस फिल्म के मैंने तीन गानों किए थे। किसी भी आर्टिस्ट को जानने के लिए तीन गाने बहुत होते हैं। क्योंकि हम टेक्नीशियन हैं, हम जो भी चाहते हैं,

गोविंदा का उदाहरण देते हुए कही ये बात

अभिनेत्री ने गोविंदा का उदाहरण देते हुए बताया कि वे एक्टर कमाल के हैं और इंडस्ट्री में हर कोई उनका फैन है, मैं खुद हूं। उन्होंने कहा, “गोविंदा की लगातार आदतों की वजह से उनकी लाइफ में कुछ चीजें नेगेटिव हुई हैं और कुछ चीजें पॉजिटिव हुई हैं। तो अगर कोई व्यक्ति देखता है कि मेरी तरफ से लगातार कुछ हो रहा है, तो मुझे नहीं लगता कि काम आपके हाथ से जाएगा। मेरा पक्का मानना है कि कोई आपका केरियर आपसे नहीं छीन सकता, क्योंकि मैंने भी बहुत सारी दिक्कतों का सामना किया है।”

इंडस्ट्री से गायब होने पर किया बड़ा खुलासा

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बीच में फिल्म इंडस्ट्री पर आरोप लगाया था कि उन्हें कई प्रोजेक्ट्स से निकाल दिया गया और उनके साथ काम करने वाले निर्माताओं को डरा-धमकाकर पीछे हटा दिया जाता है। हेतल ने कहा कि अगर वे अपने काम को लेकर बहुत ईमानदार होतीं, तो मुझे नहीं लगता कि वे इंडस्ट्री से गायब होतीं।

नाना पाटेकर विवाद पर यह कहा

जब आईएनएस ने अभिनेत्री से नाना पाटेकर और तनुश्री दत्ता वाले विवाद पर पूछा, तो हेतल ने कहा, “मैं उस फिल्म का हिस्सा नहीं थी, लेकिन मैंने तनुश्री दत्ता के साथ एक फिल्म की थी जिसमें मैं एसोसिएट कोरियोग्राफर थी और एक रोल भी किया था। मुझे नहीं पता कि वह घटना क्या थी, क्या हुआ या क्या नहीं हुआ। जब मैंने देखा ही नहीं, तो मुझे उसके बारे में पता नहीं है। इसलिए मैं उस पर कोई फैसला नहीं ले सकती।”

वाट्सऐप पर जया बच्चन सबसे ज्यादा एक्टिव, अमिताभ को मैसेज पढ़ने के लिए भेजना पड़ता है एसएमएस



विश्व केसरी ■

मुंबई। करण जोहर के चैट शो ‘कांफ़ी विद करण’ में शामिल होने के दौरान अभिषेक और श्वेता बच्चन ने बताया कि उनका परिवार वाट्सऐप ग्रुप पर कैसा है।

जब होस्ट करण ने उनसे उनके वाट्सऐप फैमिली ग्रुप के बारे में पूछा तो अभिषेक और श्वेता ने बताया कि उनकी मां, राजनेता और अभिनेत्री जया बच्चन इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा एक्टिव रहती हैं।

उन्होंने बताया कि वह हर सुबह उन्हें भावुक कर देने वाले वीडियो भेजती हैं। दोनों भाई-बहनों ने यह भी बताया कि उनके पिता अमिताभ बच्चन एक्स पर बहुत एक्टिव रहते

हैं, जो उनके अक्सर लिखे जाने वाले ब्लॉग्स से भी पता चलता है। हालांकि, वाट्सऐप की बात करें तो

दिग्गज अभिनेता वहां ज्यादातर एक्टिव नहीं रहते हैं।

अभिषेक ने बताया कि बिग बी को एसएमएस के जरिए बताना पड़ता है और उसके बाद ही वह वाट्सऐप पर मैसेज पढ़ते हैं। बिग बी की तरह

ही ऐश्वर्या राय भी इस प्लेटफॉर्म पर ज्यादातर इनएक्टिव रहती हैं। अभिषेक ने बताया, ‘वह कॉल या मैसेज का जवाब देने में बहुत समय लगाती हैं।’

उन्होंने यह भी बताया कि बच्चन

परिवार के नियम के अनुसार, परिवार के सभी सदस्यों को वाट्सऐप ग्रुप पर यह बताना होता है कि वे कब फ्लाइंग में चढ़े हैं या कब लैंड कर चुके हैं।

एक मजेदार घटना को याद करते हुए अभिषेक ने बताया कि बार जया बच्चन ने दोपहर में मैसेज करके बताया कि वह लैंड कर चुकी हैं, चुप रही।

हैं और घर पहुंच गई हैं, लेकिन अपनी आदत के अनुसार, बिग बी ने वह मैसेज दिन में काफ़ी देर बाद देखा और लिख दिया, ‘आपकी यात्रा सुरक्षित हो,’ जबकि वह तब तक घर पहुंच चुकी थीं।

अभिषेक और श्वेता वाले इस एपिसोड में ऐसे कई मजेदार पल हैं। इनमें से एक पल तब आया, जब अभिषेक ने बताया कि वह किससे ज्यादा डरते हैं – पत्नी ऐश्वर्या से या अपनी मां जया बच्चन से।

करण ने अभिषेक से पूछा, ‘आप किससे ज्यादा डरते हैं, पत्नी से या अपनी मां से?’ ‘जिस पर अभिषेक ने जवाब दिया, ‘मेरी मां से।’ हालांकि श्वेता ने बीच में ही कहा, ‘पत्नी से,’ जिस पर अभिषेक ने उनसे कहा, ‘यह मेरा रैपिड फायर है, चुप रही।’

दर्शन रावल ने रिलीज किया नया गाना ‘सिर्फ तुम’, खुद के लिए बताया बेहद खास

विश्व केसरी ■

मुंबई। मशहूर भारतीय पॉप गायक दर्शन रावल ने शनिवार को अपना नया गाना ‘सिर्फ तुम’ रिलीज कर दिया है। गायक का कहना है कि ये गाना उनके लिए बेहद खास है क्योंकि उनकी पत्नी को आमतौर पर सैंड साईन पसंद नहीं हैं लेकिन ‘सिर्फ तुम’ उनके फेवरेट गानों में से एक है।

दरअसल, गायक दर्शन रावल का नया ईपी (एक्सटेंडेड प्ले) ‘द एवरआफ्टर’ आधिकारिक तौर पर 23 अक्टूबर को रिलीज हो चुका है। वॉनर म्यूजिक इंडिया के तहत जारी किए गए इस विशेष ईपी में कुल 4 गाने शामिल हैं, जो प्यार, दिल टूटने, उम्मीद और जीवन के सफर के अलग-अलग रंगों को दर्शाते हैं।

‘सिर्फ तुम’ गायक के ईपी (एक्सटेंडेड प्ले) ‘द एवरआफ्टर’ का दूसरा गाना है। इससे पहले उन्होंने

‘नाल नाल वे’ रिलीज किया था। ‘सिर्फ तुम’ का म्यूजिक वीडियो ‘नाल नाल वे’ की कहानी को ही आगे बढ़ाता है। इसकी कहानी एक काल्पनिक या समानांतर दुनिया और दिल टूटने के दर्द के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें डैन का किरदार खुद दर्शन ने निभाया है, जो एक स्टूडेंटिंग म्यूजिशियन है।

कहानी में डैन एक दिन उठता है तो देखता है कि नियति (बरखा सिंह) गायब हो गई है और सभी उससे कहते हैं कि वह कभी भी ही नहीं। एक अलग ही दुनिया में नियति के साथ परफेक्ट प्यार का एहसास करने के बाद डैन अपने टूटे दिल के दर्द को संगीत के जरिए बयां करता है, इस उम्मीद में कि वह उस तक वापस पहुंचने का रास्ता ढूँढ लेगा।

ईपी के चार गानों में ‘नाल नाल वे’ शामिल है, जो प्यार मिलने की खुशी को दिखाता है।

स्काउट-लवप्रीत की नजदीकियों पर भड़के रोहित शेट्टी, दोनों को दी चेतावनी

विश्व केसरी ■

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ के ‘वीकेंड का वार’ को सलमान खान की जगह फिल्ममेकर रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे हैं। रोहित शेट्टी ने इस ‘वीकेंड का वार’ में घरवालों की क्लास ली है। स्काउट, लव गिल और बुली गैंग समेत कई कंटेस्टेंट्स के मुद्दों पर भी बात की।

चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रोमो में सलमान खान की जगह होस्टिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे रोहित शेट्टी ने लवप्रीत से स्काउट के साथ उनके बॉन्ड के बारे में पूछा। लवप्रीत ने कहा कि वह स्काउट को भाई मानती हैं।

वहीं, रोहित ने कहा कि बाहर से देखने पर उनका ये बर्ताव बिल्कुल गलत लग रहा है। रोहित शेट्टी ने लवप्रीत से कहा, ‘लवप्रीत गिल, जब स्काउट आपके पैरों, हाथों, गर्दन की मालिश करता है, तो यह टीवी पर देखने में सही नहीं लगता है। तुम



स्काउट से पीठ की मालिश करने के लिए कहती हो, वो तुम्हारी पिंडलियों को मालिश कर रहा है। ये बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा है।’

इस पर स्काउट ने कहा, ‘ये तो मैं हर किसी के साथ करता हूँ, माही दी

ने भी मुझसे कहा था, मैंने उनके भी किया था।’ रोहित ने जवाब दिया, ‘स्काउट। बाहर जो दिख रहा है, बाहर जो महसूस हो रहा है, मैं बस वही बता रहा हूँ। ये बिल्कुल गलत लग रहा है।

बताया जा रहा है कि ‘बिग बॉस 20’ के ‘वीकेंड का वार’ में स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी हिरानंदानी नजर आ सकती हैं और घर के अंदर लव गिल और स्काउट के इस बॉन्ड पर अपनी बात रखती नजर आ सकती हैं।

दरअसल, स्काउट और लव गिल की बढ़ती नजदीकियों की वजह से सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है।

शुरुआत में दोनों ने खुद को भाई-बहन बताया था लेकिन शो के दौरान उनके बीच काफी कोजी पल देखे गए हैं। हाल ही में स्काउट द्वारा कंबल के अंदर लव गिल के पैरों की मसाज करने और लव द्वारा स्काउट को गले लगाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए हैं।

मां बनने के बाद प्रेगनेंसी के दिनों को लेकर करिश्मा तन्ना ने की खुलकर बात

विश्व केसरी ■

मुंबई। हाल ही में मां बनीं अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद अपने शरीर को लेकर होने वाली परेशानियों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी उन्हें अपनी ‘प्रेगनेंसी से पहले वाली बॉडी’ की याद आती है और बच्चे के जन्म के बाद शरीर में आए बदलावों के साथ तालमेल बैठाना उन्हें मुश्किल लगता है।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने पेट के डीलेपन, त्वचा के ढीले होने और शरीर के आकार में आए बदलावों के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने खुद को याद दिलाया कि उनके बच्चे के जन्म को अभी सिर्फ ढाई महीने ही हुए हैं। उन्होंने जिम की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके शरीर में आए बदलावों की झलक देखने को मिली।

करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, ‘कभी-कभी, मुझे अपनी प्रेगनेंसी से पहले वाली बॉडी बहुत याद आती है। जब मैं आईने में देखती हूँ, तो मुझे अपना पेट ढीला लगता



है, त्वचा ढीली दिखती है और मेरा शरीर पहले के मुकाबले बड़ा हो गया है। शापिंग करना बहुत थकाऊ लगता है और कभी-कभी तो मेरा तैयार होने का भी मन नहीं करता।’

अभिनेत्री ने कहा, ‘फिर मुझे खुद को प्यार से याद दिलाना पड़ता है। मेरे अंदर एक नन्हा इंसान पल रहा था। मेरे शरीर ने उसकी जिंदगी के लिए जगह बनाई। अभी तो बस ढाई महीने ही हुए हैं, मैं इतनी जल्दी खुद से इतनी उम्मीदें क्यों लगा रही हूँ? मैं अपने शरीर के लिए आभारी भी हो सकती हूँ और साथ ही इसमें आए बदलावों को मुश्किल भी मान सकती हूँ। मैं मां बनने के अनुभव से प्यार भी कर सकती हूँ और साथ ही खुद को महसूस करने की कमी भी महसूस कर सकती हूँ।’ करिश्मा ने कहा कि माएं भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो वे अपने बच्चों को देती हैं। उन्होंने कहा, ‘तो अब मैं खुद को कम आलोचनात्मक नजरिए से और ज्यादा दयालुता के साथ देखना सीख रही हूँ। मैं खुद को ठीक होने, मजबूत महसूस करने और फिर से सहज महसूस करने के लिए समय दे रही हूँ। जो भी मां ऐसा महसूस कर रही है, उसे बता दूँ, आप अकेली नहीं हैं। हम भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो हम अपने बच्चों को देती हैं।’

करिश्मा कपूर के साथ डांस कर रोहित शर्मा बोले, मेरा दिन बन गया



विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का एक सपना तब सच हो गया, जब उन्हें 90 के दशक की एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के साथ उनके मशहूर गाने ‘ले गई ले गई’ पर डांस करने का मौका मिला। गेम शो

‘फैमिली फुल हाउस’ के सेट पर दोनों की यह शानदार जुगलबंदी देखकर दर्शकों की भी पुरानी यादें ताजा हो गईं।

चैनल की ओर से जारी प्रोमो में रोहित और करिश्मा फिल्म ‘दिल तो पागल है’ के आइकॉनिक गीत पर थिरकते नजर आ रहे हैं। स्क्रीन पर दोनों की केमिस्ट्री और रोहित का उत्साह साफ दिखवाई देता है।

करिश्मा के साथ डांस करने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए रोहित ने

कहा, ‘हम फिल्म देखकर इन स्टेप्स की खूब नकल किया करते थे और आज मुझे खुद आपके साथ डांस करने का मौका मिला गया। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा दिन आएगा। सच कहूँ तो मेरा दिन बन गया। बहुत मजा आया।’

वहीं, करिश्मा कपूर भी रोहित की मेजबानी की कायल नजर आईं। उन्होंने उनकी तारीफ करते हुए कहा, ‘रोहित शानदार होस्ट हैं। वह बेहद सहज हैं और उनकी शख्सियत में एक अलग ही आकर्षण है।’

मैदान पर तो वह कमाल करते ही हैं, लेकिन बतौर होस्ट भी उन्होंने सभी को प्रभावित किया।

‘ले गई ले गई’ साल 1997 में रिलीज हुई यश चोपड़ा की सुपरहिट

फिल्म ‘दिल तो पागल है’ का लोकप्रिय गीत है। आशा भोसले और उदित नारायण की आवाज से सजे इस गाने का संगीत उत्तम सिंह ने दिया था, जबकि बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे। इसकी कोरियोग्राफी मशहूर कोरियोग्राफर श्यामक डावर ने की थी।

90 के दशक में अपनी अदाकारी और चुलबुले अंदाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली करिश्मा कपूर ने महज 15 साल की उम्र में बॉलीवुड में कदम रखा था। आज भी उनके गीत और फिल्में दर्शकों के बीच उसी उत्साह के साथ याद की जाती हैं, जिसका ताजा उदाहरण रोहित शर्मा के चेहरे पर दिखी वह खुशी है, जब उन्होंने अपनी पसंदीदा अभिनेत्री के साथ डांस फ्लोर साझा किया।

भारत और उज्बेकिस्तान ने आतंकवाद रोधी सहयोग समेत कई क्षेत्रों में रिश्ते मजबूत करने पर की चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। नई दिल्ली में भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह के सह-अध्यक्ष तथा उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रालय में दक्षिण एशिया, निकट एवं मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों के सहयोग विभाग के प्रमुख पिरिमकुलोव गुलामजोन शोदमोनकुलोविच और विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बैठक की। इस दौरान भारत और उज्बेकिस्तान ने आतंकवाद से निपटने समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने पिरिमकुलोव गुलामजोन शोदमोनकुलोविच से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आतंकवाद-रोधी सहयोग और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा की तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।



इसके अलावा भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह की 10वीं बैठक 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस बैठक की सह अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव सुहेल अजाज खान और पिरिमकुलोव गुलामजोन

शोडमोनकुलोविच ने की।

बैठक के दौरान दोनों देशों ने दुनियाभर और अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय आतंकवादी संगठनों से पैदा हो रहे खतरों पर चर्चा की। साथ ही आतंकवाद से निपटने की मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर विचार-

विमर्श किया गया। इनमें कट्टरपंथ और उग्रवाद को रोकना, आतंकवाद की फंडिंग पर लगाम लगाना, आतंकवादी गतिविधियों में तकनीक के दुरुपयोग को रोकना और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध तथा आतंकवाद के बीच बढ़ते संबंध जैसे मुद्दे शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा के सामने मौजूद चुनौतियों का मिलकर सामना करने और भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद रोधी संयुक्त कार्य समूह के ढांचे को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई।

दोनों पक्षों ने सूचना साझा करने, क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) और बेहतर तरीकों के आदान-प्रदान के माध्यम से आतंकवाद-रोधी सहयोग बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की। साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान की संबंधित एजेंसियों के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को और आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

उत्तर कोरिया: किम जोंग उन अपनी सेना को बनाना चाहते हैं सबसे ताकतवर, सैन्य कमांडरों को दिए निर्देश

विश्व केसरी■

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश की सेना को दुनिया की सबसे ताकतवर सेना बनाने पर जोर दिया है। प्योंगयांग में सैन्य कमांडरों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने सैन्य इकाइयों की युद्धक क्षमता और अनुशासन बढ़ाने के साथ ही सैनिकों की वैचारिक प्रतिबद्धता को मजबूत करने पर जोर दिया।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि किम ने 22 और 23 अक्टूबर को आयोजित कोरियाई पीपुल्स आर्मी के कंपनी कमांडरों के तीसरे सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मजबूत सैन्य इकाइयों के निर्माण के जरिए सबसे ताकतवर सेना तैयार करना और उत्तर कोरिया की अपनी शैली में सैन्य बदलाव को गति देना सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है।'

किम ने कंपनी कमांडरों से सेना की पार्टी और विचारधारा के प्रति निष्ठा बनाए



रखने तथा अपनी इकाइयों को अधिक सक्षम बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'सेना की प्रत्येक कंपनी को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि वह विभिन्न सैन्य अभियानों को स्वतंत्र रूप से और प्रभावी ढंग से अंजाम दे सके।'

उत्तर कोरिया की सैन्य संरचना में कंपनी एक बुनियादी लड़ाकू इकाई मानी जाती है। किम ने इन इकाइयों की युद्धक क्षमता और संगठनात्मक दक्षता में सुधार सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है।'

किम ने कंपनी कमांडरों से सेना की पार्टी और विचारधारा के प्रति निष्ठा बनाए

सैनिकों के जीवन की स्थितियों को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया।सम्मेलन में उत्तर कोरिया के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए। इनमें सतारूदु वर्कस पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष पाक जोंग चोन, रक्षा मंत्री किम सोंग गी और कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ प्रमुख री योंग गिल शामिल थे। सैन्य और राजनीतिक संगठनों के कमांडरों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। केसीएनए के मुताबिक, हर फरवरी में वर्कस पार्टी की नौवीं कांग्रेस के बाद पूरी सेना के स्तर पर आयोजित पहला ऐसा सम्मेलन था।

मध्य प्रदेश के मंत्री और विधायकों की कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए होगा मंथन: सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार के मंत्री हैं और विधायकों की कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, सजग और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए आगामी दिसंबर माह में मंत्रियों और विधायकों के साथ मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस फॉर एचआर-सीएसआर 'अभ्युदय' को संबोधित करते हुए कहा कि 'अभ्युदय 2026' का यह सत्र सुशासन, प्रशासनिक दक्षता और अतीत के सफल अनुभवों से सीख लेते हुए भविष्य की बेहतर कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के माध्यम से इस सत्र को सार्थक रूप दिया गया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि जहां गीता समाप्त होती है, वहीं से जीवन का अभ्युदय प्रारंभ होता है। हमारे समाज के लिए एक



सरकार समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन करती रहती है, ताकि विभिन्न विषयों पर गहन मंथन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, सजग और परिणामोन्मुखी बनाया जा सके। इसी क्रम में आगामी दिसंबर माह में मंत्रियों और विधायकों के साथ भी इसी प्रकार का मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि जहां गीता समाप्त होती है, वहीं से जीवन का अभ्युदय प्रारंभ होता है। हमारे समाज के लिए एक

आदर्श है भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन। हम सब उनके जीवन से प्रतिदिन कुछ न कुछ सीखते ही हैं। उन्होंने अपना सारा जीवन चुनौतियों के बीच व्यतीत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण तत्कालीन लोकतांत्रिक परम्पराओं के सच्चे और महान नायक थे। उन्होंने जीवन की हर परिस्थिति में अपना मानव धर्म और राजधर्म निभाया। उन्होंने एक सर्वशक्तिमान सत्ताधीश के रूप में वध तो किया , परन्तु खुद उसकी सत्ता पर आसीन नहीं हुए।

बिखराव और बच्चों की अनदेखी पीड़ा को सामने लाता आलोक शुक्ला का नाटक

विश्व केसरी■

इंदौर। माता-पिता अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए तलाक ले लेते हैं। कोई दूसरी शादी कर लेता है, तो कोई लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगता है। लेकिन इन फैसलों के बीच उस बच्चे की दुनिया में क्या घट रहा है, जो अपने माता-पिता के रिश्तों के टूटने और बदलने के बीच अकेला पड़ जाता है? उसके मन में उठते सवालों, भवनात्मक उथल-पुथल और भटकवार की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? नाटक 'अजीब दास्ती' इसी संवेदनशील



और गंभीर सवाल को दर्शकों के सामने रखता है।

शुक्रवार शाम 23 अक्टूबर को इंदौर के रवींद्र नाट्यगृह में संस्था सूत्रधार की ओर से दिल्ली के नाट्य दल 'प्रासंगिक' ने इस

नाटक का मंचन किया। करीब 75 मिनट की प्रस्तुति में महानगरीय जीवन की आपाधापी, टूटते पारिवारिक रिश्तों और माता-पिता व बच्चों के बीच बढ़ती संवादहीनता को प्रभावशाली ढंग

से प्रस्तुत किया गया। नाटक की परिकल्पना, लेखन और निर्देशन आलोक शुक्ला का है। प्रस्तुति के दौरान कहानी की परतें धीरे-धीरे खुलती हैं और दर्शक पात्रों की परिस्थितियों के साथ जुड़ते चले जाते हैं। अंत में उठने वाले सवाल उन्हें आत्ममंथन के लिए विवश करते हैं।

नाटक की कहानी दो दंपतियों और उनके पारिवारिक जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। शुरुआत नशे की गिरफ्त में फंसे एक बच्चे से होती है। उसके जीवन में यह स्थिति कैसे आई और वह इस

मुकाम तक क्यों पहुँचा, नाटक इसी सवाल का जवाब तलाशता है। पलैशबैक के माध्यम से पात्रों के आपसी संबंध और उनके जीवन की परिस्थितियों सामने आती हैं। आरंभ में रिश्तों के समीकरण समझने में दर्शकों को थोड़ी उलझन होती है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, पात्रों के संबंधों की परतें खुलने लगती हैं।

नाटक का सबसे मार्मिक पक्ष उस बच्चे की पीड़ा है, जो माता-पिता के अपने-अपने फैसलों के बीच खुद को अकेला पाता है।

फिलीपींस वायुसेना के दो विमान हवा में टकराए, चार पायलटों की मौत

विश्व केसरी■

मनीला। फिलीपींस वायु सेना (पीएएफ) ने शनिवार को पुष्टि की कि शुक्रवार को बटंग्गस प्रांत के फर्नांडो एयर बेस पर प्रशिक्षण उड़ान के दौरान ट्रेनिंग विमान एसएफ-260 दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हादसे में वायु सेना के चार पायलट मारे गए।

पीएएफ के अनुसार, हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 3:51 बजे हुआ। दोनों विमान फर्नांडो एयर बेस के दायरे में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

वायु सेना ने चार पायलटों की मौत पर दुःख जताया और कहा कि दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। एहतियाती कदम के तौर पर, जांच पूरी होने तक बेड़े में शामिल सभी एसएफ-260 विमानों को फिलहाल उड़ान भरने से रोक दिया गया है।

फिलीपीन वायु सेना ने एक आधिकारिक प्रेस बयान में इन मौतों



की पुष्टि की और दुर्घटना के बाद उठाए जा रहे तत्काल कदमों के बारे में जानकारी दी।

बयान में कहा गया, 'फिलीपींस वायु सेना (पीएएफ) 23 अक्टूबर, 2026 को दोपहर 3:51 बजे फर्नांडो एयर बेस पर प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दो एसएफ-260 विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने से अपने चार पायलटों की मौत पर शोक व्यक्त करता है। दोनों विमान एयर बेस के दायरे में ही दुर्घटनाग्रस्त हुए, और इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।'

इसमें आगे कहा गया, 'दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है, और सुरक्षा के एहतियाती उपाय के तौर पर सभी एसएफ-260 विमानों को फिलहाल उड़ान भरने से रोक दिया गया है। पीएएफ अपने शहीद पायलटों की सेवा और बलिदान का सम्मान करता है और उनके शोक संतप्त परिवारों को हर संभव मदद देने के लिए उनके संपर्क में है। परिवारों के अनुरोध पर, हम जनता से अपील करते हैं कि इस कठिन समय में वे उनकी निजता (प्राइवसी) का सम्मान करें।'

ईरान संघर्ष विराम के लिए कूटनीतिक प्रयास दोगुने करेगा ब्रिटेन : विदेश मंत्री मिलिबैंड

विश्व केसरी■

लंदन। ब्रिटेन ने ईरान संघर्ष विराम के लिए अपने कूटनीतिक प्रयासों को और तेज करने का फैसला किया है। ब्रिटिश विदेश मंत्री एड मिलिबैंड ने कहा है कि संघर्ष के कारण देश में ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे महंगाई और आम लोगों के जीवन-यापन का संकट गहरा रहा है।

मिलिबैंड ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो जारी कर अपना मत प्रकट किया। उन्होंने कहा, 'ब्रिटेन में लोगों के सामने इस समय जीवन-यापन की बढ़ती लागत सबसे बड़ी समस्या है। सरकार इस बात से अवगत है कि ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा बिल, खाद्य पदार्थों के बिल और महंगाई बढ़ रही है। विदेश मंत्री के रूप में उनकी जिम्मेदारी संघर्ष को समाप्त कराने के लिए हर संभव प्रयास करना है। यह युद्ध बहुत लंबा खिंच चुका है और इससे ब्रिटेन के लोगों को काफी नुकसान हुआ है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम इसे और ज्यादा समय तक जारी रहने का खर्च नहीं उठा सकते।' उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से वह



इस्तांबुल में यूरोप और मध्य पूर्व के देशों के लिए विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस पहल का लक्ष्य संघर्ष को हमेशा के लिए समाप्त कराना और ब्रिटेन के परिवारों को आर्थिक दबाव से राहत दिलाना है। ब्रिटेन की यह पहल ऐसे समय सामने आई है जब ईरान युद्ध के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ रही है। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का असर परिवहन, उत्पादन और घरेलू खर्चों पर पड़ सकता है।

ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का असर परिवहन, उत्पादन और घरेलू खर्चों पर पड़ सकता है। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का असर परिवहन, उत्पादन और घरेलू खर्चों पर पड़ सकता है।

मिलिबैंड ने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन कूटनीतिक रास्ते से संघर्ष समाप्त कराने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना कर रहा है।

नीलगिरि में भूस्खलन की चपेट में आई सरकारी बस, ड्राइवर की मौत, 50 यात्री बाल-बाल बचे

विश्व केसरी■

नीलगिरि। तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में पाल्लियार के पास एक सरकारी बस भूस्खलन की चपेट में आ गई। बस का टायर पंचर होने के बाद लगभग 50 यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया था, जिसके कुछ ही मिनटों बाद यह हादसा हुआ। बस ड्राइवर जमनाराज की इस घटना में मौत हो गई।

बचावकर्मियों ने लंबे अभियान के बाद मलबे से चालक का शव निकालकर उसकी मौत की पुष्टि की। पहले खबरें थीं कि उसे सुरक्षित निकाल लिया गया है, लेकिन बचाव दल ने बाद में स्पष्ट किया कि वह वाहन के अंदर ही फंसा रहा और उसकी मौत हो गई।

भूस्खलन में फंसे कंडक्टर केशवन को अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मियों ने घायल अवस्था में पाया और अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि जब पहाड़ी ढही,



तब बस में कोई यात्री नहीं था। कंडक्टर ने कहा, 'बस में सिर्फ मैं और ड्राइवर थे। पेड़ एक के बाद एक सड़क पर गिरने लगे। जब हमने बस को सुरक्षित रूप से रोकने की कोशिश की, तो हम भूस्खलन की चपेट में आ गए।'

यह बस कोयंबटूर से ऊठी जा रही थी, जब पाल्लियार के पास प्रभावित क्षेत्र में पहुंचने से कुछ ही देर पहले इसका टायर पंचर हो गया। बस के खराब होने से पहले उसमें लगभग 50 यात्री सवार थे।

घटना के विवरण के अनुसार,

टायर पंचर होने के बाद यात्रियों को बस से निकाल लिया गया था। उनके निकलने के कुछ ही मिनटों के भीतर पहाड़ी सड़क पर एक भीषण भूस्खलन हुआ, जिससे पेड़, पथर और मिट्टी ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद आपातकालीन टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया और घायल कंडक्टर को सुरक्षित निकालने में सफल रहें। मलबे के बीच चालक को सुरक्षित निकालने के बाद आपातकालीन टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया और घायल कंडक्टर को सुरक्षित निकालने में सफल रहें। मलबे के बीच चालक को सुरक्षित निकालने के बाद आपातकालीन टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया और घायल कंडक्टर को सुरक्षित निकालने में सफल रहें।

पेरिस में चमके यूपी के खाद्य उत्पाद, 15 देशों के खरीदारों से संपर्क, माल्ट इकाई लगाने पर चर्चा

विश्व केसरी■

लखनऊ। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्रदर्शनी 'सियाल पेरिस 2026' में उत्तर प्रदेश के खाद्य उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहुंचाने और विदेशी निवेश आकर्षित करने की प्रदर्शन किया, जबकि बरेली की ग़ोवर फ़ूड्स ने 15 नए देशों के संभावनाएं सामने आई हैं। प्रदेश की दो कंपनियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जबकि बरेली की ग़ोवर फ़ूड्स ने 15 नए देशों के संभावनाएं सामने आई हैं। प्रदेश की दो कंपनियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जबकि बरेली की ग़ोवर फ़ूड्स ने 15 नए देशों के संभावनाएं सामने आई हैं।

इसके अलावा, फ्रांस की कंपनी सॉफ़्ले माल्ट के प्रतिनिधियों के साथ उत्तर प्रदेश में माल्ट प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। प्रदर्शनी के दौरान पंजाब के



मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण विभाग के स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने प्रदेश में तैयार खाद्य उत्पादों का अवलोकन किया और विभिन्न उत्पादों का स्वाद भी चखा। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और

संभावनाओं में रुचि दिखाई। साथ ही, विभाग की योजनाओं की सराहना करते हुए महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्वरोजगार तथा आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को सराहनीय बताया।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत प्रदेश के उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने उत्पादों के प्रदर्शन का अवसर मिला है। मौर्य ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य किसानों की उपज को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना, उद्यमियों के लिए कारोबार के अवसर बढ़ाना और युवाओं को रोजगार से जोड़ना है।

एनएसई सीईओ ने एआई-आधारित साइबर हमलों को लेकर जताई चिंता, ब्रोकरों से साइबर सुरक्षा मजबूत करने का किया आह्वान



विश्व केसरी ■ मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान ने एआई-आधारित साइबर हमलों के बढ़ते खतरे को लेकर शनिवार को गंभीर चिंता जताई और स्टॉकब्रोकरों से अपनी साइबर

सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी एक सदस्य की सुरक्षा में कमजोरी पूरे पूंजी बाजार नेटवर्क की विश्वसनीयता और अखंडता को प्रभावित कर सकती है।

मुंबई में आयोजित एएनएमआई इंटरनेशनल कैपिटल मार्केट कन्वेंशन 2026 को संबोधित

करते हुए चौहान ने कहा कि एनएसई अपने पूरे नेटवर्क की व्यापक समीक्षा कर रहा है, ताकि संभावित सुरक्षा खामियों की पहचान की जा सके। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित साइबर हमलों का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है और इससे निपटने के लिए सभी बाजार

करते हुए चौहान ने कहा कि एनएसई अपने पूरे नेटवर्क की व्यापक समीक्षा कर रहा है, ताकि संभावित सुरक्षा खामियों की पहचान की जा सके। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित साइबर हमलों का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है और इससे निपटने के लिए सभी बाजार

सहभागियों को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्रोकर और बाजार सदस्य को साइबर सुरक्षा को अपने प्रमुख कार्यों में शामिल करना होगा, ताकि देशभर में ट्रेडिंग सिस्टम की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनी रहे। उनके अनुसार, आने वाले वर्षों में नई-नई तकनीकी कमजोरियां सामने आ सकती हैं और इसलिए उद्योग को अभी से तैयारी करनी होगी।

चौहान ने एएनएमआई से एक विशेष टास्क फोर्स बनाने का सुझाव भी दिया, जो संभावित साइबर खतरों की पहचान करे, विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित करे और बाजार सहभागियों को जोखिमों से निपटने में सहायता प्रदान करे।

उन्होंने कहा कि एनएसई कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रोकरों को समर्थन देने के लिए तैयार है और नियामकों के साथ मिलकर उनके

सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने में मदद करेगा। जिन ब्रोकरों के पास पर्याप्त तकनीकी विशेषज्ञता नहीं है, उन्हें या तो अपनी आंतरिक क्षमताएं विकसित करनी चाहिए या फिर बाहरी विशेषज्ञों की सहायता लेनी चाहिए।

हाल के एआई आधारित साइबर हमलों का उल्लेख करते हुए चौहान ने कहा कि यदि किसी एक

बाजार सदस्य की सुरक्षा प्रणाली कमजोर रहती है तो उसका प्रभाव पूरे बाजार तंत्र की अखंडता पर पड़ सकता है।

उन्होंने भविष्य की एक और बड़ी चुनौती के रूप में क्वांटम कंप्यूटिंग का उल्लेख किया। उनके अनुसार, क्वांटम तकनीक आने वाले समय में मौजूदा क्रिप्टोग्राफिक सुरक्षा प्रणालियों और सुरक्षित संचार तंत्र को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में बाजार सहभागियों को केवल वर्तमान साइबर खतरों ही नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना होगा।

चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी शुरुआत से ही पूंजी बाजारों के संचालन का अभिन्न हिस्सा रही है, लेकिन बदलते खतरे यह स्पष्ट करते हैं कि बाजार संस्थान सुरक्षा के मोर्चे पर पीछे नहीं रह सकते।

हाल के महीनों में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ी हैं। इसी महीने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में डेटा ब्रीच की घटना सामने आई थी, जिसमें 3,897 ग्राहकों की जानकारी डार्क वेब पर मिलने की पुष्टि हुई थी। इसी तरह पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी ग्राहकों को एआई-आधारित साइबर धोखाधड़ी, वॉयस क्लोनिंग, डीपफेक और फिशिंग हमलों को लेकर सतर्क रहने की सलाह जारी की थी।

पद्मसन का एडवांस रूप है बद्ध पद्मसन, पाचन से लेकर रीढ़ तक के लिए है रामबाण



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ रखते हैं, उन्हीं में से एक है ‘बद्ध पद्मासन’। यह आसन पद्मासन का एक एडवांस रूप है, जिसको नियमित रूप से करने से शरीर में लचीलापन बढ़ता है और कंधे, पीठ और जोड़ों को मजबूती मिलती है।

बद्ध पद्मासन को पद्मासन का एक उन्नत रूप माना जाता है। इसमें पैरों को कमल की तरह मोड़कर हाथों से पीठ के पीछे बांधा जाता है। ‘बद्ध’ का अर्थ ‘बंधा हुआ’ और पद्म का अर्थ ‘कमल का फूल’ होता है। यह आसन शरीर की स्थिरता, संतुलन और लचीलापन बढ़ाने में कारगर होता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन न केवल शारीरिक दृढ़ता बल्कि गहरी मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागृति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके नियमित अभ्यास से पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और रीढ़ की हड्डी में खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे रीढ़ की हड्डी स्वस्थ रहती है।

वहीं, आयुष विशेषज्ञों के अनुसार, लेटकर किए जाने पर पेट पर हल्का दबाव पड़ता है, जो पाचन को सुधारता है और कब्ज, अपच, गैस जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

बद्ध पद्मासन का अभ्यास सिर्फ शरीर के लिए नहीं बल्कि मन और ऊर्जा के स्तर पर भी गहरा असर डालता है। योग शास्त्र के अनुसार,

हमारे शरीर में नाड़ियों के जरिए प्राण ऊर्जा प्रवाह करती है। बद्ध पद्मासन में जब पैर आपस में लॉक होते हैं और हाथ पीछे बंधते हैं, तो शरीर में एक ऊर्जा सर्किट बन जाता है। इससे ऊर्जा बाहर नहीं निकलती बल्कि शरीर के अंदर ही घूमकर सभी चक्रों को सक्रिय करती है। यह मूलतः सहस्रार तक ऊर्जा के प्रवाह को सुगम बनाता है, जिससे शरीर हल्का और ऊर्जावान महसूस करता है और यह आसन ध्यान के लिए आदर्श स्थिति बन जाता है।

इस आसन को करने के लिए शरीर में अत्यधिक लचीलेपन की आवश्यकता होती है, इसलिए इसे करने से पहले पद्मासन में महारत हासिल करना आवश्यक है।

बच्चों को समय पर ‘दो बूंद जिंदगी की’ अवश्य पिलाएं, विश्व पोलियो दिवस पर नितिन गडकरी समेत कई मुख्यमंत्रियों ने की अपील

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। विश्व पोलियो दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने का संकल्प दोहराया। नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर स्वास्थ्य कर्मियों के योगदान को नमन किया और हर बच्चे को पोलियो की दो बूंद पिलाने की अपील की।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा, ‘विश्व पोलियो दिवस पर आइए हम पोलियो-मुक्त दुनिया बनाने के अपने संकल्प को और मजबूत करें। हर बच्चे को समय पर टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के जरिए सुरक्षा पाने का हक है। हम सब मिलकर आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रख सकते हैं।



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, ‘विश्व पोलियो दिवस प्रेरित करता है कि एक भी बच्चा पोलियो रोधी खुराक से वंचित न रहे। बच्चों को पोलियो दिवस पर भारत को पोलियो-मुक्त बनाने के महाअभियान में समर्पित सभी

अपना योगदान दें। जनभागीदारी और जागरूकता से ही हम पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और मजबूत बना सकते हैं।’

हरियाणा के मुख्यमंत्री नाथन सेनी ने एक्स पर लिखा, ‘विश्व पोलियो दिवस पर भारत को विजयी बनाने वाले सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का हार्दिक अभिनंदन।

स्वास्थ्यकर्मियों को मेरा नमन एवं आभार। आपके अथक प्रयासों, सेवाभाव और दृढ़ संकल्प ने देश को एक ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है। स्वस्थ और सुरक्षित भारत के निर्माण में आपका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।’

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, ‘हम सभी को गर्व है कि आज भारत पोलियो मुक्त है। आइए, ‘विश्व पोलियो दिवस’ पर मिलकर संकल्प लें कि पोलियो जैसी बीमारी पुनः पनपने नहीं देंगे। हर बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं और लोगों को इसके प्रति निरंतर जागरूक करते रहें। पोलियो से लड़ई में भारत को विजयी बनाने वाले सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का हार्दिक अभिनंदन।

गलत खान-पान बिगाड़ रहा है सेहत? पवनमुक्तासन से पाएं तुरंत राहत

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान और घंटों एक जगह बैठकर काम करने की वजह से पेट संबंधी समस्या आम हो गई है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ‘पवनमुक्तासन’ बेहद सरल और प्रभावी आसन बताया गया है। यह आसन शरीर में मौजूद दूधित वायु को बाहर निकालकर पेट को साफ रखता है और मन को शांति प्रदान करता है। पवनमुक्तासन संस्कृत के तीन शब्दों से मिलकर बना है... ‘पवन’ यानी हवा, ‘मुक्त’ यानी छोड़ना, और ‘आसन’ यानी योग की मुद्रा। इसका मतलब यह ऐसा योगासन है जो शरीर से गैस या अपच को बाहर निकालने में मदद करता है। यही कारण है कि इसे अंग्रेजी में ‘वाइंड रिलीजिंग पोज’ भी कहा जाता है। पवनमुक्तासन उन योगासनों में एक आसन है, जिसे वायु मुक्ति आसन या ‘गैस रिलीज पोज’ भी कहा जाता है। यह आसन पेट में जमा गैस को बाहर निकालने और पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मददगार साबित होता है।

ISO 9001:2015

शारी से पहले या शारी के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

जब कहीं न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

छत्तीसगढ़ के नं.01 हेल्थसोलॉजिस्ट

DR. AKSAGAR K. BURNS, CVD, MDC, REG. CDD503MS

From Raipur

Dr. A. Sagar

धातू रोग

शुक्राणु की कमी

शिग्रपतन

रक्तजोष

निःसंतान

मेन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023

8109126351 9425257615

Network COMPUTERS

Wholesale & Retail Shop

कंप्यूटर से जुड़ी हर जरूरत का एक ही नाम...

LAPTOP

- New Laptop
- Refurbished Laptop
- Best Price
- Original with Warranty

DESKTOP

- Branded Desktop
- Custom PC Build
- Home & Office Use
- Upgrade & Service

PRINTER

- Inkjet | Laser | All in One
- Sales & Service
- Original Cartridge & Toner
- Bulk Printing Solutions

CCTV CAMERA

- HIKVISION / CP PLUS / DAHUA
- Installation & AMC
- Home / Office / Shop / Industry

NETWORKING

- Router / Switch / Access Point
- LAN & Wi-Fi Setup
- Network Cabling & Configuration
- Office & Enterprise Solution

INTERACTIVE PANEL

- Smart Class Solution
- Office Presentation
- Interactive Flat Panel
- Projector & Screen

ACCESSORIES

- Keyboard / Mouse
- Headphone / Pen Drive
- SSD / HDD / UPS / Laptop Bag
- Webcam / Many More...

GENUINE PRODUCTS EXPERT SERVICE SUPPORT BEST PRICES BUSINESS & BULK SUPPLY GOVT. ORDERS (Gst Supply)

Shop No. FF-30 (1st Floor), Millennium Plaza, Banstall Road, Raipur (C.G.) 9329100386 07714095051

narad_nishad@rediffmail.com

DR. PRAJWAL SONI

M.B.B.S., M.D. Obstetrics & Gynaecologist colposcopist Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170 9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

❖ Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 911677722

❖ Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband (C.G.) 7509007388

✉ drprajwalsoni@gmail.com

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur. 83700 09993

:H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

कृषि हो या निर्माण खाल्टी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.) फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

- CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- फूड लाइसेंस Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: **शेखर गुप्ता** RIFCO Tax Consultants C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**

